PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-02 ● अंक- 01 ● भिलाई, मंगलवार 14 जुलाई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

छत्तीसगढ़ विधानसभा मानसून सत्र: लता उसेंडी ने उठाया महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में बीएड-डीएड और भर्ती का मुद्दा

विधानसभा में मंत्री टंकराम वर्मा बोले-भर्ती प्रक्रिया जारी

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ विधानसभा के पांच दिवसीय मानसून सत्र की शुरुआत आज से हो गई है। पहले दिन प्रश्नकाल के दौरान भाजपा विधायक लता उसेंडी ने कोंडागांव स्थित शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में बीएड और डीएड पाठ्यक्रम संचालित नहीं होने, विश्वविद्यालय में रिक्त पदों पर भर्ती और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन को लेकर सरकार से सवाल किए। उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने सदन में बताया कि शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में भर्ती से संबंधित वर्तमान में किसी प्रकार की शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। इस पर विधायक लता उसेंडी ने पूछा कि जब उत्तर में मामले के निराकरण की बात कही गई है, तो विश्वविद्यालय में बीएड और डीएड की कक्षाएं क्यों संचालित नहीं हो रही हैं। जवाब में मंत्री ने कहा कि प्रदेश में अभी बीएड और डीएड के नए पाठ्यक्रम शुरू नहीं किए गए हैं। नई शिक्षा नीति-2020 के तहत इन पाठ्यक्रमों को चार वर्षीय स्वरूप में संचालित किया जाएगा। लता उसेंडी ने आगे पूछा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति प्रदेश के किन-किन विश्वविद्यालयों में लागू की गई है और क्या महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में भी इसे लागू किया गया है। इस पर मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में लागू है और महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय भी इससे अछूता नहीं है। हालांकि, विधायक उसेंडी ने दावा किया कि उन्हें मिली जानकारी के अनुसार विश्वविद्यालय में नई शिक्षा

नीति का प्रभावी क्रियान्वयन नहीं हुआ है। इस पर मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय प्रदेश का एक महत्वपूर्ण विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय की आवश्यकताओं को देखते हुए नया सांख्यिकी विभाग खोला जा रहा है तथा संस्थान ने आईआईटी और आईआईएम जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ एमओयू भी किया है। विश्वविद्यालय में रिक्त पदों का मुद्दा उठाते हुए लता उसेंडी ने कहा कि विश्वविद्यालय में कुल 265 पद स्वीकृत हैं, लेकिन नियुक्तियां बहुत कम हुई हैं। उन्होंने भर्ती प्रक्रिया और उसकी जांच कराने वाली एजेंसी के संबंध में भी जानकारी मांगी। मंत्री ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुल 31 विभागों में से अभी पांच विभाग प्रारंभ नहीं हुए हैं। 146 पदों के विरुद्ध 113 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि शिकायतें वर्तमान भर्ती से संबंधित नहीं, बल्कि पूर्व अवधि की थीं। जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट राज्यपाल को भेजी गई थी और शिकायतें निराधार पाए जाने पर उनका निराकरण कर दिया गया। प्रश्नकाल के दौरान भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने भी प्रदेश में चार वर्षीय बीएड और डीएड पाठ्यक्रम शुरू करने की दिशा में सरकार की तैयारी पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि दो वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम को नई शिक्षा नीति के अनुरूप चार वर्षीय बनाने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है। इस पर उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि यह सही है कि प्रदेश के कई महाविद्यालय आवश्यक मानकों के अनुरूप नहीं हैं।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर सदन में पक्ष-विपक्ष के बीच तीखी बहस स्थगन प्रस्ताव हुआ अग्राह्य

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के पहले ही दिन कांग्रेस ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी का मुद्दा उठाया. सदस्यों में मुद्दे पर तीखी बहस के बीच कांग्रेस ने स्थगन प्रस्ताव पेश किया, जिसे अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने अग्राह्य कर दिया. सदन में नेता प्रतिपक्ष डॉक्टर चरणदास महंत ने कहा कि छत्तीसगढ़ के तीन करोड़ रामभक्तों की आस्था के साथ छल हुआ है. इस पर भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने आपत्ति जताते हुए कहा कि यह विधानसभा का विषय नहीं है. इस पर महंत ने कहा कि 23 फरवरी 2024 को सदन में कृतज्ञता ज्ञापन पेश किया था. उस वक्त सदन की भावना जुड़ी थी. आज सत्तापक्ष इस विषय पर निंदा प्रस्ताव ले आए. हम समर्थन करेंगे. छत्तीसगढ़ के लोगों के पैसों की लूट पर चर्चा चाहते हैं. अजय चंद्राकर ने आपत्ति जताते हुए कहा कि किसने लूटा आप नाम बताइए.

संक्षिप्त समाचार

कश्मीर में 60 मिनट के भीतर दो बार फटा बादल, अनंतनाग में बाढ़ से तबाही

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में शनिवार रात महज 60 मिनट के भीतर बादल फटने की दो घटनाओं ने व्यापक तबाही मचा दी। पहलगाम और शांगस (शंगुस) क्षेत्र में अचानक आई बाढ़ से होटल, रिसॉर्ट, घर और खेत पानी व मलबे की चपेट में आ गए। कई स्थानों पर भूस्खलन भी हुआ, जिससे यातायात प्रभावित हुआ और पर्यटन गतिविधियों पर भी असर पड़ा। हालांकि राहत की बात यह है कि अब तक किसी जनहानि की सूचना नहीं मिली है। पहली घटना शंगुस के चटरगुल के ऊपरी पर्वतीय क्षेत्र में हुई, जहां बादल फटने के बाद आरिपथ नाले का जलस्तर तेजी से बढ़ गया। पहाड़ों से आए तेज बहाव के साथ भारी मात्रा में कीचड़, चट्टानें और पेड़ों का मलबा नीचे बस्तियों और खेतों तक पहुंच गया। इससे सेब के बागों और अन्य फसलों को भारी नुकसान हुआ। स्थानीय लोगों के अनुसार कुछ ही मिनटों में पूरा इलाका बाढ़ की चपेट में आ गया। इसके लगभग एक घंटे के भीतर दूसरी घटना पहलगाम स्थित ओवेरा वन्यजीव अभयारण्य क्षेत्र में हुई।

हिसार में स्वीट शॉप की लिफ्ट में फंसा वर्कर

हिसार। हरियाणा के हिसार से एक रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां राजगुरु मार्केट स्थित एक मशहूर स्वीट शॉप की लिफ्ट में फंसकर एक वर्कर की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा इतना भयानक था कि लिफ्ट में झटका लगते ही युवक की गर्दन धड़ से अलग हो गई। इस खौफनाक घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है और पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मृतक की पहचान खुम्बा खेड़ा गांव निवासी जसबीर के रूप में हुई है, जो कल्पना स्वीट्स में हलवाई का काम करता था। जानकारी के मुताबिक, सुबह करीब 6 बजे जसबीर दुकान का कुछ सामान लेने के लिए लिफ्ट से दूसरी मंजिल पर जा रहा था। इसी दौरान उसकी गर्दन अचानक लिफ्ट के दरवाजों के बीच आ गई।

राज्य के दर्जे को लेकर उमर अब्दुल्ला का केंद्र पर दबाव, बोले- सब्र की परीक्षा न लें

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्र सरकार की नीतियों पर कड़ा प्रहार करते हुए एक बड़ा राजनीतिक बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी है कि पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर उनके और प्रदेश की जनता के सब्र को केंद्र सरकार उनकी कमजोरी समझने की भूल न करे। हजरतबल में अपने दादा-दादी (शेख अब्दुल्ला और बेगम अकबर जहां) की मजार पर पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उमर अब्दुल्ला ने केंद्र से तीखा सवाल पूछा कि आखिर राज्य का दर्जा वापस देने का वह उपयुक्त समय कब आएगा और इसकी स्थिति कब साफ होगी मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्र की दोहरी नीति पर सवाल उठाते हुए कहा।

असम राइफल्स की गाड़ी में धमाका

एक जवान शहीद अन्य चार घायल

नई दिल्ली। नागालैंड में सुखोवी क्षेत्र के पास असम राइफल्स की गाड़ी में संदिग्ध इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइसविस्फोट की खबर है। शुरुआती जानकारी के अनुसार इस धमाके में धमाके में 1 जवान शहीद हो गया है, जबकि 4 अन्य जवान घायल हुए हैं। सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेर लिया है और सर्च ऑपरेशन जारी है। घायल जवानों को तुरंत नजदीकी सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। इस कायराना हमले के पीछे किस उग्रवादी गुट का हाथ है, इसकी

अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ये धमाका नागालैंड के चुमौकेदिमा इलाके में हुआ है। नॉर्थ ईस्ट में यह एक हफ्ते के अंदर दूसरी बार है कि असम राइफल्स के काफिले के पास ड्रश्त्र विस्फोट होने की खबर सामने आई है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम के अवूरा इलाके में रात भर हुई भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ में कई गाड़ियां बह गई और क्षतिग्रस्त हो गई।

निकला बांग्लादेश कनेक्शन

पीएम मोदी की रैली में भी धमाके की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली से सटे गुरुग्राम साइबर सिटी में एक बार फिर सिलसिलेवार तरीके से बम विस्फोट करने की धमकी मिलने से पुलिस महकमे और प्रशासनिक अमले में खलबली मच गई है। सोमवार को एक अज्ञात ई-मेल के जरिए गुरुग्राम के अत्यंत प्रतिष्ठित एमिटी स्कूल, सालवन पब्लिक स्कूल, एयरफोर्स स्कूल और जिला प्रशासनिक केंद्र यानी मिनी सचिवालय को बम से उड़ाने की सीधी धमकी दी गई। इस सूचना के प्राप्त होते ही गुरुग्राम पुलिस प्रशासन तुरंत हरकत में आया और बिना कोई समय गंवाए आपातकालीन सुरक्षा प्रोटोकॉल

लागू कर दिया। संवेदनशील स्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तुरंत स्थानीय पुलिस बल, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड की कई टीमों को मौके पर रवाना किया गया। धमकी भरे ई-मेल की गंभीरता और बच्चों की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए गुरुग्राम पुलिस ने स्कूलों के प्रबंधनों से संपर्क किया।

केजीएमयू में राजनाथ सिंह का संदेश

डॉक्टर की पहचान सिर्फ डिग्री नहीं,संवेदनशीलता और मानवीय

लखनऊ। एजेंसी

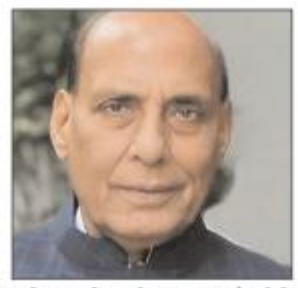

लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय केजीएमयू के 22वें दीक्षांत समारोह में सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चिकित्सा पेशे को मानवता की सेवा का सर्वोच्च माध्यम बताते हुए युवा डॉक्टरों को संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों के साथ कार्य करने की सीख दी। उन्होंने कहा कि डॉक्टर की वास्तविक पहचान उसकी डिग्री से नहीं, बल्कि मरीज के प्रति उसके व्यवहार, करुणा और सेवा भावना से होती है। राजनाथ सिंह ने कहा कि मरीज अस्पताल में केवल इलाज कराने नहीं,

बल्कि भरोसा लेकर आता है। ऐसे में डॉक्टरों का कर्तव्य है कि वे अपने ज्ञान और कौशल के साथ संवेदनशीलता को भी समान महत्व दें। उन्होंने कहा कि कई बार डॉक्टर की मुस्कान, आत्मीयता और भरोसा दिलाने वाले शब्द मरीज के मानसिक संबल का कारण बनते हैं और उपचार को अधिक प्रभावी बनाते हैं। उन्होंने कहा कि भारत चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। जीन थेरेपी, सीएआर-टी सेल थेरेपी और आधुनिक चिकित्सा तकनीकों के जरिए देश वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। ऐसे समय में नए डॉक्टरों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वे आधुनिक तकनीक के साथ मानवीय मूल्यों को भी अपनाएं। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी दीक्षांत समारोह में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने 54 मेधावी छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक और 1708 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान कीं।

महाराष्ट्र के हॉस्टल में 'जहरीला' खाना, 40 छात्रों की बिगड़ी तबीयत

नंदुरबार। महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले से एक बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। शहादा स्थित समाज कल्याण विभाग (सोशल वेलफेयर) के हॉस्टल में खाना खाने के बाद 40 छात्रों की अचानक तबीयत बिगड़ गई। आनन-फानन में 25 छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर होने पर उन्हें आईसीयू में रखा गया है। इस घटना के बाद से प्रशासन और परिजनों में हड़कंप मच गया है। घटना की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी (डीएम) मिताली सेठी ने शनिवार को शहादा अस्पताल का दौरा किया और बीमार छात्रों की स्थिति का बारीकी से जायजा लिया।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर मंत्री का बड़ा बयान

अटकलों को बताया आधारहीन बातचीत जारी है-पीयूष गोयल

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को उन मीडिया रिपोर्ट्स को पूरी तरह खारिज कर दिया, जिनमें भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता में गतिरोध होने का दावा किया गया था। पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'x' पर एक अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसी की रिपोर्ट को 'पूरी तरह झूठी, आधारहीन और भ्रामक' करार दिया है। पीयूष गोयल ने स्पष्ट किया कि दोनों देश एक संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने बताया कि जून

महीने में दिल्ली आए अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधिजेमिसन ग्रीर के साथ उनकी 'शानदार बैठकें' हुई थीं। गोयल ने कहा कि दोनों पक्ष एक ऐसे समझौते के लिए काम कर रहे हैं, जो व्यवसायों, किसानों, श्रमिकों और उपभोक्ताओं के लिए ठोस लाभ लेकर आए। मंत्री ने पुष्टि की कि दोनों देशों की टीमें इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए लगातार जुटी हुई हैं। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने भी इस विषय पर स्थिति स्पष्ट की है। जून 2026 के व्यापार डेटा पर मीडिया को ब्रीफिंग देते हुए उन्होंने कहा कि समझौते को अंतिम रूप देने में कोई बाधा नहीं है। उन्होंने जानकारी दी कि मई में भारतीय टीम ने अमेरिका का दौरा किया था और जून में अमेरिकी टीम दिल्ली आई थी। सचिव के अनुसार, बातचीत एक उचित ढांचे के भीतर चल रही है और सब कुछ सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने ट्रेड डील की वर्तमान स्थिति पर कहा कि समझौते का फ्रेमवर्क पूरी तरह तैयार है।

कोर्ट में फफक कर रोने लगा पूर्व पार्षद

आईबी अधिकारी अंकित शर्मा हत्याकांड में ताहिर हुसैन दोषी करार

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने 2020 में दिल्ली दंगों के दौरान आईबी ऑफिसर अंकित शर्मा की हत्या के मामले में पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन को दोषी करार दिया है। अंकित शर्मा की हत्या फरवरी 2020 में उत्तर पूर्वी दिल्ली दंगों के दौरान हुई थी। उनका शव एक नाले से बरामद किया गया था। इस मामले में पूर्व एमसीडी पार्षद ताहिर हुसैन और 10 अन्य को आरोपी बनाया गया था। अंकित शर्मा के पिता की शिकायत पर दयालपुर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई थी। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने आईपीसी की धारा 109,114,147,148,149,436,15 3ए, 505, 365, 302, 201, 120बी ,34 के तहत चार्जशीट दाखिल की थी। 6 आरोपी बरी, 5 दोषी कड़कड़डूमा कोर्ट ने अंकित शर्मा मर्डर केस में ताहिर हुसैन समेत कुल पांच लोगों को दोषी ठहराया है जबकि 6 लोगों को बरी कर दिया है। वहीं अदालत द्वारा दोषी ठहराए जाने के बाद ताहिर हुसैन फफक-फफक कर रोने लगा। सजा की तारीख मंगलवार को मुकर्रर की जाएगी। ये पांच लोग दोषी ताहिर हुसैननजीम काशिम अनस जावेद बता दें कि वर्ष 2020 में नागरिकता संशोधन कानून के समर्थकों और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसा के बाद 24 फरवरी, 2020 को उत्तर-पूर्वी दिल्ली में सांप्रदायिक झड़पें हुईं, जिसमें कम से कम 53 लोग मारे गए और कई घायल हो गए थे। इसी दौरान जब अंकित शर्मा आरोपियों को शांत करने और उनसे कानून अपने हाथ में न लेने का आग्रह कर रहे थे, तो उन्हें पकड़ लिया गया,

घसीटा गया और धारदार हथियार से 51 वार किये गये, उसके बाद उनका शव पास के नाले में फेंक दिया गया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, 26 फरवरी, 2020 को शिकायतकर्ता रविंदर कुमार ने दयालपुर पुलिस थाने के अधिकारियों को सूचित किया था कि खुफिया ब्यूरो (आईबी) में तैनात उनका बेटा अंकित शर्मा 25 फरवरी, 2020 से लापता है। बाद में उन्हें कुछ स्थानीय लोगों से पता चला कि एक व्यक्ति की हत्या करके चांद बाग पुलिया मस्जिद से उसका शव खजूरी खास नाले में फेंक दिया गया था। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि शर्मा का शव खजूरी खास नाले से बरामद किया गया था और उसके शरीर पर जख्मों के 51 निशान थे। इस मामले में ताहिर हुसैन को भी आरोपी बनाते हुए मामला दर्ज कराया गया था। ताहिर हुसैन आम आदमी पार्टी का पूर्व पार्षद रह चुका है। पिछले साल संपन्न दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान ताहिर हुसैन ने ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम की सदस्यता ले ली थी और मुस्तफाबाद सीट से चुनाव लड़ा था। लेकिन चुनाव में उसे हार का सामना करना पड़ा। अंकित शर्मा के पिता रविंद्र कुमार की शिकायत के अनुसार, अंकित शर्मा 25 फरवरी, 2020 को दफ्तर से घर लौटे थे, लेकिन कुछ देर बाद फिर से बाहर निकल गए। काफी देर तक जब वह वापस नहीं लौटे तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। इस दौरान स्थानीय लोगों ने बताया कि अंकित की हत्या कर दी गई है

सजा पर अगली सुनवाई में फैसला

सजा पर बहस की तारीख अभी कोर्ट ने तय नहीं की है। मंगलवार को लिखित आदेश आने के बाद कोर्ट सजा पर जिरह की तारीख तय करेगी। फैसला सुनाए जाने के बाद कोर्ट परिसर में ताहिर हुसैन रोने लगा। अदालत के फैसले के बाद अब दोषियों की सजा की अवधि पर आगे सुनवाई होगी। इस मामले में कोर्ट ने अभियोजन पक्ष की दलीलों और पेश किए गए साक्ष्यों पर विचार करने के बाद यह निर्णय सुनाया। अंकित शर्मा की हत्या फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में भड़की हिंसा के दौरान हुई थी। उनका शव चांद बाग इलाके के एक नाले से बरामद किया गया था। इस घटना के बाद अंकित शर्मा के पिता की शिकायत पर दयालपुर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया था।

CMYK

धान खरीदी घोटाले में नया खुलासाः 'ओहदे के हिसाब से बंटा कमीशन', अब पीड़ित परिवार करेंगे बड़े खुलासे

कवर्धा। कबीरधाम जिले में धान खरीदी में सामने आई अनियमितताओं और करोड़ों के नुकसान के मामलों के बीच अब एक और सनसनीखेज दावा सामने आया है। जिन समिति प्रबंधकों, कंप्यूटर ऑपरेटरों और अन्य जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ अपराध दर्ज किए गए हैं अथवा जिन्हें नोटिस जारी हुए हैं, उनके परिजनों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठाते हुए दावा किया है कि धान खरीदी प्रक्रिया में कथित रूप से विभिन्न स्तरों पर पद के अनुरूप कमीशन का वितरण किया जाता था। नाम प्रकाशित नहीं करने की शर्त पर पीड़ित पक्ष से जुड़े लोगों ने बताया कि धान खरीदी के दौरान कथित तौर पर डीआर को 3 प्रतिशत, नोडल अधिकारियों को 2 प्रतिशत, फूड विभाग को 2 प्रतिशत, जिला सहकारी बैंक मुख्यालय को 3 प्रतिशत, सीईओ स्तर पर 1 प्रतिशत तथा विभागीय नोडल अधिकारियों को 2 प्रतिशत तक कमीशन दिए जाने की चर्चा लंबे समय से होती रही है। पीड़ित पक्ष का दावा है कि यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो जांच केवल निचले स्तर के कर्मचारियों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। पीड़ित परिवारों का कहना है कि आज जिन लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज हुए हैं या जिन्हें नोटिस जारी किए गए हैं, वे फरार रहने और जमानत के लिए न्यायालयों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। उनका आरोप है कि यदि पूरे तंत्र में कथित रूप से लाभ का वितरण हुआ, तो केवल समिति प्रबंधकों और ऑपरेटरों को ही जिम्मेदार ठहराना न्यायसंगत नहीं होगा। पीड़ित पक्ष ने यह भी दावा किया है कि जब समिति प्रबंधक और कंप्यूटर ऑपरेटर हड़ताल पर थे, तब भी लगभग एक माह तक धान खरीदी का कार्य जारी रहा। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि उस अवधि में खरीदी किसके निर्देशन में हुई, ऑनलाइन प्रविष्टियां किसके द्वारा की गईं और धान के उठाव तथा परिवहन की निगरानी किसके जिम्मे थी। पीड़ित परिवारों ने उस अवधि के संपूर्ण रिकॉर्ड, लॉगिन डाटा, मोबाइल लोकेशन और

संबंधित अधिकारियों की भूमिका की जांच की मांग की है। इधर जिले में भौतिक सत्यापन के दौरान लगभग 64 हजार क्विंटल धान कम मिलने का मामला भी लगातार चर्चा में बना हुआ है। इतना बड़ा अंतर सामने आने के बाद यह सवाल और गहरा गया है कि संबंधित मिलरों को डीओ आखिर किन परिस्थितियों में जारी किए गए और धान का उठाव कैसे हुआ। यदि भौतिक रूप से धान कम था, तो दस्तावेजी प्रक्रिया में इसकी जानकारी किस स्तर पर दर्ज हुई और किस स्तर पर इसे नजरअंदाज किया गया। धान खरीदी प्रक्रिया से जुड़े जानकार बताते हैं कि उपार्जन केंद्रों से संग्रहण केंद्र तक भेजी जाने वाली प्रत्येक धान बोरी का मानक वजन विपणन संघ द्वारा 38 किलोग्राम निर्धारित किया गया है। इसके बावजूद हजारों क्विंटल धान की कमी सामने आना पूरे तंत्र की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। पीड़ित परिवारों का कहना है कि अब वे पूरे मामले से जुड़े दस्तावेज, कथित वित्तीय लेन-देन, बैंक खातों की जानकारी और अन्य तथ्यों को एकत्रित कर रहे हैं। उनका दावा है कि यदि कथित रूप से विभिन्न स्तरों पर कमीशन दिया गया था, तो उसकी पूरी जांच होनी चाहिए और जिन लोगों को लाभ पहुंचा, उनकी जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। सूत्रों के अनुसार कुछ पीड़ित परिवार अब मुख्यमंत्री और सहकारिता मंत्री से मुलाकात कर अपनी समस्याओं और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करने की तैयारी में हैं। परिवारों का कहना है कि उनके परिजन आज कानूनी कार्रवाई, गिरफ्तारी और जमानत की प्रक्रिया से जूझ रहे हैं, जबकि पूरे मामले की परतें अभी तक सामने नहीं आई हैं। जिले में अब यह चर्चा भी तेज हो गई है कि यदि जांच एजेंसियां आरोपितों एवं संबंधित अधिकारियों के मोबाइल कॉल डिटेल रिकॉर्ड, बैंक लेन-देन, संपत्तियों, परिवहन रिकॉर्ड और धान उठाव से जुड़े दस्तावेजों की गहन जांच करती है, तो कई नए नाम सामने आ सकते हैं। इतना ही नहीं, कुछ सफेदपोश लोगों और जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका भी उजागर होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि पीड़ित पक्ष द्वारा लगाए गए इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। संबंधित विभागों और अधिकारियों की ओर से भी इस संबंध में कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। लेकिन यदि पीड़ित परिवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले तथ्यों और दस्तावेजों की निष्पक्ष जांच होती है, तो कबीरधाम जिले का धान खरीदी मामला केवल अनियमितता तक सीमित न रहकर एक बड़े संगठित आर्थिक तंत्र की कहानी भी सामने ला सकता है। उपरोक्त चर्चा जिले के कुछ पीड़ित पक्षों द्वारा नाम प्रकाशित नहीं करने की शर्त पर किए गए हैं।

निर्वाचित जनप्रतिनिधियों, नये आयुक्त के तालमेल से होगा शहर का बेहतर विकास

विवादित निगम आयुक्त का आखिरकार हुआ तबादला

धमतरी। नगर निगम में पिछले लंबे समय से चल रही ऊहापोह की स्थिति अब सामान्य होने की पूरी संभावना है। पूर्व में यहां पदस्थ विवादित निगम आयुक्त का तबादला हो गया है। उनके कार्यकाल के दौरान निर्वाचित जनप्रतिनिधियों एवं आयुक्त के मध्य जनहित के मुद्दों को लेकर पटरी नहीं बैठ रही थी जिसे लेकर निर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने इसकी शिकायत भी समय समय पर की। पूर्व आयुक्त द्वारा शहर के नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं को दूर करने में कोई दिलचस्पी नहीं रखी गई। और तो और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के वार्ड की समस्याओं को दूर करने के लिये जो प्रस्ताव पेश किया जाता था, उसे भी वे नजरअंदाज कर जाते थे जिससे उनका कार्यकाल विवादित रहा। पिछले दिनों राज्य शासन द्वारा इनका तबादला अन्यत्र किया गया है। उनके स्थान पर आने वाले नये निगम आयुक्त अरूण कुमार वर्मा से शहरवासियों को भारी उम्मीदें हैं। शहरवासियों को अब यह विश्वास हो गया है कि निर्वाचित

जनप्रतिनिधियों और नये आयुक्त के तालमेल से शहर की सभी समस्याओं का निदान होगा और धमतरी शहर विकास की ओर अग्रसर होगा। वर्मा राज्य प्रशासनिक सेवा 2015 बैच के अधिकारी हैं और वर्तमान में वे अपर कलेक्टर उत्तर बस्तर में कार्यरत थे जिन्हें राज्य शासन ने निगम आयुक्त धमतरी के पद पर पदस्थ किया है। आयुक्त नगर निगम के पद पर पूर्व में पदस्थ रहे अधिकारी द्वारा शहरवासियों की मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी की गई। वह तो भला हो महापौर रामू रोहरा और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का, जिन्होंने शहरवासियों के हितार्थ किसी भी स्थिति में सहयोग कर विवादों को टाला। महापौर के साथ साथ उनके शुभचिंतक सभापतियों, पार्षदों द्वारा भी उनके कदम से कदम मिलाकर कार्य किया गया किंतु पूर्व में पदस्थ रहे आयुक्त द्वारा अपने मनमर्जी से चलने की प्रथा के कारण अनेक ऐसे विकास अवरूद्ध हुए। इन पर अपने परिचितों को सप्लाई, टेंडर दिये जाने का भी आरोप लगा। यहां तक बेलिंग मशीन एवं रिक्शा खरीदी में भी घांघली की शिकायत निर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने कलेक्टर को भी किया था। यही नहीं पूर्व आयुक्त द्वारा एसआईआर और जनगणना के समय अवकाश को लेकर भी तरह तरह की चर्चाएं होने लगी। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा द्वारा इन्हें प्रत्येक निर्माण कार्य स्थल में एजेंसी के इंजीनियरों की उपस्थिति के लिये कहा गया था। लेकिन उस पर भी इन्होंने ध्यान नहीं दिया जिसे लेकर इन्हें कारण बताओ पत्र भी जारी किया गया था। लेकिन इनके अवकाश में रहने की वजह से इन्होंने 3 दिन के अंदर क्या जवाब प्रस्तुत किया, इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है। इसी तरह उनका कार्यकाल विवादों के घेरे में रहा। लेकिन जैसे ही शहरवासियों को पता लगा कि उनका तबादला हो गया है, तो उनके मध्य एक आशा की किरण जगी है कि अब शहर का विकास होकर रहेगा। विवादित आयुक्त के रहते शहर में अनेक ऐसे विकास कार्य अवरूद्ध हुए जिसे महापौर रामू रोहरा ने काफी मशक्कत के बाद स्वीकृत कराये थे किंतु पूर्व आयुक्त के रहते उक्त स्वीकृत कार्य परवान नहीं चढ़ सके जिसकी शहर को सख्त जरूरत थी। अब शहरवासी कहने लगे हैं कि निर्वाचित जनप्रतिनिधियों एवं नये आने वाले आयुक्त के तालमेल से शहर का चहुंओर विकास होगा और बड़े शहरों की तर्ज पर धमतरी भी उन शहरों की मूलभूत सुविधाओं से अछूता नहीं रहेगा। वैसे भी यहां नया हाईटेक बस स्टेंड, बॉक्स क्रिकेट ग्राउंड, करोड़ों रूपये की लागत से फोरलेन सड़क निर्माण, सर्वसुविधायुक्त अत्याधुनिक ऑडिटोरियम, चौपाटी, तालाबों का सौंदर्यीकरण सहित अन्य छोटे-बड़े अनेक योजनाओं पर द्रुतगति से कार्य शुरू होगा। शहरवासियों की मूलभूत समस्याओं का निदान होगा। रूके हुए महत्वपूर्ण कार्य अब आसानी से पूर्ण होंगे। यह कार्य महापौर रामू रोहरा के पदभार ग्रहण करने के बाद ही हो जाता। लेकिन पूर्व आयुक्त के अड़ियल रवैये के चलते न सिर्फ महापौर बल्कि निर्वाचित जनप्रतिनिधि भी काफी परेशान थे। पूर्व आयुक्त की कार्यप्रणाली एवं लगातार अवकाश में रहने तथा कार्यालय से हमेशा नदारद रहने की शिकायत भी समय समय पर शहरवासियों द्वारा कही जाती रही और आखिरकार राज्य सरकार के स्थानांतरण सूची में इन्हें धमतरी निगम से अन्यत्र स्थानांतरित कर दिया गया जिससे शहरवासियों ने राहत की सांस ली। निगम के नये आयुक्त अरूण कुमार वर्मा से दूरभाष पर चर्चा किये जाने पर उन्होंने कहा कि वर्तमान में मैंने निगम का प्रभार नहीं लिया है। जब उनसे यह पूछा गया कि आपकी निगम में क्या प्राथमिकताएं रहेंगी, तो उनका कहना था कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ निगम क्षेत्रवासियों को मिले एवं शासन के मंशानुरूप तथा नागरिकों के भावनाओं के अनुरूप शहर का विकास प्रमुख प्राथमिकता होगी।

सिद्धखोल जलप्रपात में ईको-टूरिज्म प्रबंधन से संवर रही स्थानीय ग्रामीणों की आजीविका

बलौदाबाजार। जिले का प्रसिद्ध सिद्धखोल जलप्रपात इन दिनों पर्यटकों के आकर्षण का मुख्य केंद्र बना हुआ है।

स्थानीय संयुक्त वन प्रबंधन समिति कुकरीकोना द्वारा यहां संचालित किए जा रहे ईको-टूरिज्म प्रबंधन ने न केवल वनों और पर्यावरण के संरक्षण की एक नई मिसाल पेश की है, बल्कि स्थानीय आदिवासी व ग्रामीण परिवारों के लिए आजीविका का एक सशक्त माध्यम भी बनकर उभरा है।

प्लास्टिक मुक्त और ईको-फ्रेंडली पर्यटन प्रतिमान

सिद्धखोल के संवेदनशील वनक्षेत्र को पूरी तरह स्वच्छ और प्लास्टिक-मुक्त बनाए रखने के लिए कुकरीकोना समिति द्वारा कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। प्रवेश द्वार पर पानी की प्लास्टिक बोतलों के लिए 50 का रिफंडेबल चार्ज लिया जाएगा, जिसे पर्यटकों द्वारा बोतल सुरक्षित वापस लाने पर तुरंत लौटा दिया जाएगा। पूरे परिसर में स्थानीय बांस से बने कूड़ेदान स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। साथ ही, समिति की महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा पर्यटकों को रियायती दरों पर जूट,कपड़े के थैले और दोना-पत्तल उपलब्ध कराए जाएँगे। प्रत्येक सोमवार को वन अमले और समिति के सदस्यों द्वारा संयुक्त रूप से पूरे पर्यटन मार्ग में स्वच्छता श्रमदान चलाकर संपूर्ण कचरे का सुरक्षित निपटान किया जाएगा। पर्यटकों की सुविधा हेतु शुल्क प्रणाली का सरलीकरण- समिति द्वारा पर्यटकों को सुगम और किफायती अनुभव देने के लिए प्रवेश शुल्क प्रणाली में बड़ा प्रशासनिक बदलाव किया गया है। पूर्व में ली जाने वाली 20 (दोपहिया) एवं ?30 (चार पहिया) वाहन-आधारित पृथक पार्किंग फीस को पूर्णतः समाप्त कर दिया गया है। अब इसके स्थान पर केवल 10 प्रति व्यक्ति का एकल प्रवेश शुल्क लागू किया गया है।

जिले के युवाओं के लिए सुनहरा अवसर 16 जुलाई को लगेगा रोजगार मेला

धमतरी। जिले के शिक्षित एवं रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं को निजी क्षेत्र में बेहतर रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में जिला प्रशासन धमतरी लगातार प्रयासरत है। इसी क्रम में जिला प्रशासन एवं Aamdhane Private Limited के मध्य हुए समझौता एमओयू के तहत आगामी 16 जुलाई 2026 को लाईवलीहुड कॉलेज, धमतरी में प्रातः 11 बजे से रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेले के माध्यम से जिले के इच्छुक युवाओं को प्रदेश के बाहर लॉजिस्टिक्स, वेयर हाउसिंग, विनिर्माण मैन्युफैक्चरिंग, उत्पादन, निर्माण, अवसंरचना, खुदरा रिटेल, ई.कॉमर्स, ऑटोमोबाइल एवं वस्त्र उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। चयनित अभ्यर्थियों को प्रतिष्ठित औद्योगिक एवं व्यावसायिक संस्थानों में उनकी योग्यता एवं कौशल के अनुरूप रोजगार प्रदान किया जाएगा। कलेक्टर एवं अध्यक्ष, जिला परियोजना लाईवलीहुड कॉलेज, अबिनाश मिश्रा धमतरी ने जिले के शासकीय पॉलीटेक्निक, स्नातकोत्तर महाविद्यालय, आईटीआई तथा अन्य तकनीकी एवं उच्च शिक्षण संस्थानों के प्राचार्यों को निर्देशित किया है कि ऐसे युवाओं का चिन्हांकन करें, जो प्रदेश के बाहर रोजगार प्राप्त करने के इच्छुक हों। उन्होंने यह भी निर्देश दिए हैं कि संबंधित अभ्यर्थियों को उनके अभिभावकों के साथ निर्धारित तिथि एवं समय पर रोजगार मेले में उपस्थित होना सुनिश्चित कराया जाए, ताकि उन्हें उपलब्ध रोजगार अवसरों की जानकारीए मार्गदर्शन एवं चयन प्रक्रिया का लाभ मिल सके। जिला प्रशासन ने जिले के पात्र एवं इच्छुक युवाओं से अपील की है कि वे इस रोजगार मेले का अधिक से अधिक लाभ उठाकर निजी क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार के अवसरों का लाभ लें तथा अपने उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाएं।

जिपं धमतरी में विकास योजनाओं की व्यापक समीक्षा, आवास निर्माण में नवाचारों को बढ़ावा देने के निर्देश

धमतरी। जिला पंचायत धमतरी के सभाकक्ष में मुख्य कार्यपालन अधिकारी सीईओ जयंत नाहटा की अध्यक्षता में विभिन्न केंद्रीय एवं राज्य शासन की महत्वाकांयोजनाओं की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, पीएम जनमन, मुख्यमंत्री आवास योजना सहित ग्रामीण विकास एवं आजीविका से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की प्रगति का गहन मूल्यांकन किया गया। इस दौरान सीईओ नाहटा ने सभी विभागों को योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने, निर्धारित समय.सीमा में लक्ष्य पूर्ण करने तथा पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, पीएम जनमन एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जिले में संचालित आवास निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। सीईओ ने जिले में रिकॉर्ड समय में पूर्ण हो रहे आवासों की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, पंचायतों तथा मैदानी अमले के समन्वित प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने आवास निर्माण में अपनाए जा रहे राजमिस्त्री प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं मसान डबरा कॉलोनी मॉडल जैसे नवाचारों की जानकारी ली तथा इन्हें और अधिक प्रभावी बनाने के लिए नवीन कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और गति में और सुधार हो तथा इन मॉडलों का विस्तार अन्य ग्राम पंचायतों तक किया जा सके। सीईओ नाहटा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी स्वीकृत आवासों का निर्माण निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराया जाए। जिन हितग्राहियों के आवास निर्माण कार्य लंबित हैं, उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण कर कार्य में तेजी लाई जाए। साथ ही निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने एवं नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन एनआरएलएम की समीक्षा के दौरान स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने तथा आजीविका

गतिविधियों का विस्तार करने पर विशेष जोर दिया गया। सीईओ ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिक से अधिक महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ते हुए उन्हें बैंक ऋण, प्रशिक्षण एवं विपणन की सुविधाओं से लाभान्वित किया जाए। साथ ही सफल समूहों के मॉडल विकसित कर अन्य समूहों को भी प्रेरित किया जाए।

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण की समीक्षा के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन के कार्यों में तेजी लाने तथा ओडीएफ प्लस के लक्ष्यों को समय.सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने ग्राम पंचायतों में नियमित स्वच्छता गतिविधियां संचालित करने तथा जनभागीदारी के माध्यम से स्वच्छता अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने पर बल दिया। पीएम आशा योजना एवं कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान किसानों को शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ उपलब्ध कराने, कृषि उत्पादन बढ़ाने तथा कृषि योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सीईओ ने किसानों के पंजीयन, जागरूकता एवं तकनीकी मार्गदर्शन पर विशेष ध्यान देने तथा पात्र किसानों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाने के लिए कृषि विभाग को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। राज्य पोषित योजनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने सभी स्वीकृत कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा प्रत्येक विभाग नियमित रूप से प्रगति की समीक्षा कर लक्ष्य के अनुरूप कार्य सुनिश्चित करे। पशुधन विभाग की समीक्षा के दौरान पशुपालकों को शासन की योजनाओं का लाभ प्रभावी ढंग से उपलब्ध कराने, पशुओं के स्वास्थ्य संरक्षण, नियमित टीकाकरण, नस्ल सुधार तथा पशुपालन आधारित आजीविका को बढ़ावा देने के निर्देश दिए गए। ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित पशु स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया। बैठक में जल संसाधन विभाग के निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को स्वीकृत कार्यों को गुणवत्ता एवं समय.सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

वीबी जी रामजी योजना की समीक्षा के दौरान योजना के सभी स्वीकृत कार्यों का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा मैदानी स्तर पर नियमित निगरानी रखने के निर्देश दिए गए, ताकि पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ बिना किसी विलंब के मिल सके। मुख्यमंत्री समग्र विकास एवं क्षमता आधारित योजना की समीक्षा करते हुए सीईओ ने कहा कि सभी स्वीकृत विकास कार्य गुणवत्ता के साथ समय पर पूर्ण किए जाएं। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि प्रस्तावित कार्यों की सतत मॉनिटरिंग करें तथा किसी भी तकनीकी अथवा प्रशासनिक बाधा का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान सीईओ जयंत नाहटा ने सभी विभागीय अधिकारियों से बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि शासन की प्रत्येक योजना का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है। इसलिए सभी अधिकारी पूर्ण जिम्मेदारी, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करें। उन्होंने योजनाओं की नियमित समीक्षा, मैदानी निरीक्षण, सतत मॉनिटरिंग तथा निर्धारित समय-सीमा में लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि जिले में विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए नवाचारों को लगातार प्रोत्साहित किया जाएगा। समीक्षा बैठक में लेखाधिकारी चंदन टंडन, कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, रामनारायण राठौर, उपसंचालक पंचायत नकुल प्रसाद वर्मा, जिले के सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

शिक्षा को जनआंदोलन बनाने सामुदायिक सहभागिता बनी मिसाल

धमतरी। जिले के कुरूद विकासखंड के ग्राम सेलदीप में शिक्षा के प्रति जनजागरूकता एवं सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित विशेष कार्यक्रम शिक्षा के क्षेत्र में सामाजिक भागीदारी का प्रेरक उदाहरण बनकर सामने आया। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, मातृशक्ति, जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे आयोजन में शिक्षा को जनआंदोलन का स्वरूप देने का स्पष्ट संदेश दिखाई दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कहा कि किसी भी समाज का भविष्य उसके बच्चों की शिक्षा पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि ग्राम सेलदीप में मातृशक्ति एवं ग्रामीणों की उत्साहपूर्ण सहभागिता इस बात का प्रमाण है कि गांव के लोग अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के प्रति सजग और संवेदनशील हैं। उन्होंने कहा कि जब पूरा समुदाय विद्यालय के विकास की जिम्मेदारी अपने हाथों में लेता है, तब सीमित संसाधनों वाला विद्यालय भी उत्कृष्ट संस्थान बन सकता है और सेलदीप इसका सशक्त उदाहरण है। कलेक्टर ने कहा कि कुछ दिनों पूर्व ग्राम परखंदा में भी शिक्षा को लेकर इसी प्रकार का प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किया गया था। अब सेलदीप में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी यह संकेत देती है कि जिले में शिक्षा के प्रति सकारात्मक सामाजिक वातावरण तैयार हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह पहल आने वाले समय में अन्य गांवों के लिए भी प्रेरणा बनेगी। मिश्रा ने कहा, बच्चे आपकी सबसे बड़ी पूंजी हैं। उनकी शिक्षा में किया गया निवेश भविष्य में समाज और परिवार दोनों के लिए अमूल्य संपत्ति सिद्ध होगा। यदि बच्चे अच्छी शिक्षा प्राप्त कर आगे बढ़ेंगे तो गांव, जिले और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की नियमित उपस्थिति, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा

नैतिक मूल्यों के विकास पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया। कलेक्टर ने बताया कि जिला प्रशासन क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कुरूद क्षेत्र में नर्सिंग कॉलेज, आईटीआई, बी.एड. कॉलेज एवं पॉलिटेक्निक जैसे महत्वपूर्ण शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना की दिशा में कार्य कर रहा है। इन संस्थानों के प्रारंभ होने से स्थानीय युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा तथा क्षेत्र में कौशल विकास एवं रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। उन्होंने अजीम प्रेमजी फाउंडेशन की छात्रवृत्ति योजना की जानकारी देते हुए अभिभावकों से विशेष रूप से बेटियों को उच्च शिक्षा के लिए कॉलेज में प्रवेश दिलाने का आग्रह किया। साथ ही श्रम विभाग की विभिन्न शिक्षा प्रोत्साहन योजनाओं का उल्लेख करते हुए संबंधित अधिकारियों को क्षेत्र में विशेष शिविर आयोजित कर पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए कलेक्टर ने कहा, आप एक कदम आगे बढ़ाइए, जिला प्रशासन दो कदम आगे बढ़कर आपका सहयोग करेगा। शिक्षा के क्षेत्र में समाज और प्रशासन की साझेदारी ही बच्चों का बेहतर भविष्य सुनिश्चित करेगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जयंत नाहटा ने कहा कि सेलदीप में आयोजित यह कार्यक्रम पूरे जिले के लिए अनुकरणीय पहल है। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल, सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं अन्य सह-शैक्षणिक गतिविधियों को भी समान महत्व दिया जाएगा। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले ग्रामीणों, शिक्षकों एवं संबंधित विभागों की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान जवाहर नवोदय विद्यालय में चयनित छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया। विद्यालय के विकास एवं शैक्षणिक गतिविधियों में सहयोग देने वाले दानदाताओं, समाजसेवियों एवं सहयोगकर्ताओं को भी प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने, विद्यालयों में सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करने तथा प्रत्येक बच्चे को नियमित रूप से विद्यालय से जोड़ने का सामूहिक संकल्प भी लिया गया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी मती मधुलिका तिवारी, उप संचालक पंचायत नकुल वर्मा, सहायक संचालक शिक्षा यदुनंदन वर्मा, प्राचार्य बी.पी. चंद्र, क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, पंचायत पदाधिकारी, अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षकगण, अभिभावक तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं स्कूली विद्यार्थी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

रायपुर पुलिस की स्पा सेंटरों दबिश, 10 सेंटरों में की गई सरप्राइज चेकिंग

रायपुर। राजधानी रायपुर में स्पा सेंटरों की आड़ में संचालित अवैध गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए कमिश्नरेट पुलिस ने शुक्रवार को विशेष जांच अभियान चलाया। पश्चिम क्षेत्र के सरस्वती नगर, आजाद चौक और डीडी नगर थाना क्षेत्र में संचालित 10 स्पा सेंटरों में पुलिस की संयुक्त टीम ने एक साथ औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान पुलिस ने स्पा सेंटरों के लाइसेंस, कर्मचारियों के पहचान पत्र, आने-जाने वाले ग्राहकों का रिकॉर्ड, सीसीटीवी कैमरों की स्थिति, सुरक्षा व्यवस्था और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की बारीकी से जांच की। साथ ही यह भी परखा गया कि कहीं सेंटरों में किसी प्रकार की अवैध या संदिग्ध गतिविधियां तो संचालित नहीं हो रही हैं। निरीक्षण के बाद पुलिस ने सभी संचालकों को कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन कराने, रिकॉर्ड नियमित रूप से अपडेट रखने और सीसीटीवी कैमरे लगातार चालू रखने के निर्देश दिए। साथ ही शासन द्वारा निर्धारित सभी नियमों का कड़ाई से पालन करने की हिदायत भी दी गई। कमिश्नरेट पुलिस ने स्पष्ट किया है कि किसी भी स्पा सेंटर में नियमों का उल्लंघन या गैरकानूनी गतिविधि पाए जाने पर संबंधित संचालकों के खिलाफसख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने कहा कि शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए इस तरह के निरीक्षण अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

रायपुर में चोरी और मारपीट की घटनाओं से बढ़ी चिंता,अलग-अलग थाना क्षेत्रों में सात मामले दर्ज

रायपुर। रायपुर शहर में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चोरी, घर में सेंधमारी और मारपीट की कई घटनाएं सामने आई हैं। गांधीनगर थाना क्षेत्र में अजरहांत कॉम्प्लेक्स के बाहर खड़ी विजय कुमार की मारुति ईको कार (सीजी 04 एमसी 1572), जिसकी कीमत करीब एक लाख रुपये बताई गई है, अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। वहीं खम्हारडीह थाना क्षेत्र के चंडी नगर में सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात बदमाशों ने सोने-चांदी के जेवर और 30 हजार रुपये नकद समेत कुल 75 हजार रुपये की संपत्ति पार कर दी। इसके अलावा शहर के विभिन्न इलाकों में मारपीट और धमकी के चार मामले भी दर्ज किए गए हैं। मोवा थाना क्षेत्र में इंडियन कॉफी हाउस के पास पुरानी रंजिश को लेकर एक व्यक्ति से गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज हुआ। खमतराई थाना क्षेत्र में पत्नी के चरित्र पर संदेह को लेकर पति द्वारा मारपीट करने का मामला सामने आया। सरस्वती नगर थाना क्षेत्र में साइंस कॉलेज मैदान के पास एक युवक के साथ गाली-गलौज, मारपीट और धमकी की शिकायत दर्ज हुई। वहीं खम्हारडीह थाना क्षेत्र में एक अपार्टमेंट में ड्यूटी कर रहे सुरक्षा गार्ड से विवाद कर आरोपी ने मारपीट की और उसका मोबाइल फोन भी तोड़ दिया। सभी मामलों में संबंधित थानों ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डेंगूनाला में 2 साल के मासूम का शव मिलने से पसरा मातम

रायपुर। बालको थाना क्षेत्र के डेंगूनाला पुल के नीचे नदी किनारे शुक्रवार सुबह दो वर्षीय मासूम केशव का शव मिलने से पूरे इलाके में शोक की लहर फैल गई। गुरुवार से लापता बच्चे की तलाश में पूरी रात भटकते रहे माता-पिता को जब शव मिलने की सूचना मिली तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। मासूम की मौत ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। जानकारी के अनुसार, रामपुर बस्ती निवासी दिनेश कुमार अपनी पत्नी और बेटे केशव के साथ मजदूरी के लिए लालघाट गया था। डेंगूनाला पार करने के बाद परिवार कुछ देर एक पेड़ के नीचे रुका। इसी दौरान मां बच्चे को दूध पिलाते-पिलाते थकान के कारण सो गई, जबकि पिता आगे निकल गए थे। जब मां की नींद खुली तो केशव वहां नहीं था। परिजनों ने आसपास काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। शुक्रवार सुबह स्थानीय लोगों ने डेंगूनाला पुल के नीचे नदी किनारे एक बच्चे का शव देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने शव की पहचान केशव के रूप में की।

किराना दुकान में चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार,11 हजार का सामान बरामद

रायपुर। पुलिस ने किराना दुकान में चोरी के मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए करीब 11 हजार रुपये मूल्य के सोयाबीन तेल के टिन और प्लास्टिक जरीकेन बरामद किए हैं, जबकि वारदात में शामिल दो अन्य आरोपी अब भी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, तखतपुर निवासी परमीत सालूजा ने 7 जुलाई 2026 को शिकायत दर्ज कराई थी कि ग्राम जरौधा गुड़ी के पास स्थित उसकी किराना दुकान से अज्ञात चोर 15 लीटर वाले महाकोष सोयाबीन तेल के तीन टिन।

श्रीमद्भागवत कथा समाज को संस्कृति और संस्कारों से जोड़ने का सशक्त माध्यम

छत्तीसगढ़ की आध्यात्मिक विरासत हमारी सबसे बड़ी धरोहर-मुख्यमंत्री

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज शाम राजधानी रायपुर स्थित बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने व्यास पीठ पर विराजमान श्री देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज द्वारा वाचन की जा रही श्रीमद्भागवत कथा का श्रद्धापूर्वक श्रवण किया तथा श्रीमद्भागवत जी का विधि-विधान एवं भक्तिभाव के साथ आरती-वंदन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने व्यास पीठ पर विराजमान कथा व्यास श्री देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज से प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, शांति और खुशहाली के लिए आशीर्वाद ग्रहण किया। उन्होंने श्रीमद्भागवत कथा के अंतर्गत भगवद्नाम के महत्व पर आधारित प्रसंग का एकाग्र भाव से श्रवण किया तथा कहा कि आध्यात्मिक चेतना, नैतिक मूल्यों और भारतीय संस्कृति के संरक्षण में ऐसी धार्मिक कथाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और धार्मिक दृष्टि से अत्यंत समृद्ध प्रदेश है। यह प्रभु श्री राम का ननिहाल तथा माता कौशल्या का मायका है। भगवान श्रीराम ने अपने वनवास का अधिकांश समय छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर व्यतीत किया, जिसके कारण राज्य की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान और अधिक गौरवशाली बनती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिवरीनारायण माता शबरी की तपोभूमि है, जहां प्रभु श्रीराम और माता शबरी के दिव्य मिलन की स्मृतियां आज भी श्रद्धालुओं को भाव-विभोर करती हैं। उन्होंने कहा कि राजिम स्थित पवित्र त्रिवेणी संगम पर प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला राजिम कुंभ देश के प्रमुख धार्मिक आयोजनों में शामिल है। इस भव्य आयोजन में देशभर से साधु-संतों, श्रद्धालुओं और धर्माचार्यों का आगमन होता है, जिससे छत्तीसगढ़ की आध्यात्मिक परंपरा और सांस्कृतिक वैभव को नई पहचान मिलती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार श्रद्धालुओं की धार्मिक आस्था और आध्यात्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए विभिन्न धार्मिक योजनाओं का प्रभावी संचालन कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रभु श्री रामलला दर्शन योजना के माध्यम से छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं को अयोध्याधाम के दर्शन कराए जा रहे हैं। अब तक लगभग 50 हजार से अधिक श्रद्धालु भगवान श्रीरामलला के दर्शन का पुण्य लाभ प्राप्त कर चुके हैं। इसी प्रकार मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से प्रदेश के बुजुर्ग देश के विभिन्न प्रमुख तीर्थस्थलों के दर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के प्रमुख शक्तिपीठों के संरक्षण, संवर्धन और समग्र विकास के लिए भी निरंतर कार्य कर रही है।

पश्चिम क्षेत्र में स्पा सेंटरों पर पुलिस की आकस्मिक चेकिंग

- 10 स्पा सेंटरों में व्यापक चेकिंग अभियान, नियमों के पालन एवं सुरक्षा व्यवस्था का लिया गया जायजा

रायपुर/ संवाददाता

कमिश्नरेट पुलिस द्वारा शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने तथा स्पा सेंटरों का संचालन निर्धारित नियमों एवं वैधानिक प्रावधानों के अनुरूप सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पश्चिम क्षेत्र में विशेष आकस्मिक चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम क्षेत्र) श्री संदीप पटेल के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (पश्चिम क्षेत्र) श्री राहुल देव शर्मा के नेतृत्व में पश्चिम क्षेत्र के सहायक पुलिस आयुक्तों, थाना प्रभारी सरस्वती नगर, आजाद चौक एवं डी.डी. नगर सहित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की संयुक्त टीम द्वारा थाना सरस्वती नगर, आजाद चौक एवं डी.डी. नगर क्षेत्रांतर्गत संचालित विभिन्न स्पा सेंटरों का आकस्मिक चेकिंग किया गया। अभियान के दौरान कुल 10 स्पा सेंटरों की गहन जांच की गई। चेकिंग के दौरान स्पा सेंटरों में संचालित गतिविधियों, कर्मचारियों के पहचान संबंधी दस्तावेज, आगंतुकों का रिकॉर्ड, सीसीटीवी कैमरों की कार्यशील स्थिति, सुरक्षा व्यवस्था, वैधानिक अभिलेखों एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों का सूक्ष्म परीक्षण किया गया। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया कि स्पा सेंटरों का संचालन निर्धारित नियमों एवं शर्तों के अनुरूप किया जा रहा है तथा किसी प्रकार की अवैध अथवा संदिग्ध गतिविधि संचालित न हो। निरीक्षण के दौरान संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि वे सभी आवश्यक अभिलेख अद्यतन रखें, कर्मचारियों का सत्यापन कराएं, सीसीटीवी कैमरों को नियमित रूप से चालू रखें।

112 की त्वरित कार्रवाई से सर्पदंश पीड़ित महिला को मिला जीवनदान

रायपुर। संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार आम नागरिकों को त्वरित, संवेदनशील और प्रभावी आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में डॉयल-112 की सतर्क एवं त्वरित कार्रवाई ने एक बार फिर मानव जीवन की रक्षा के प्रति पुलिस की प्रतिबद्धता को प्रमाणित किया है। डॉयल-112 टीम ने सर्पदंश की शिकार एक महिला को बिना समय गंवाए अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जानकारी के अनुसार, रात्रि लगभग एक बजे डॉयल-112 गौरेला फाल्कन-1 को ग्राम जमुनिया टोला, धनौली से एक महिला के सर्पदंश की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही डॉयल-112 में तैनात आरक्षक रामदयाल आयाम एवं चालक गोपाल पुरी तत्काल आपातकालीन वाहन लेकर घटनास्थल के लिए रवाना हुए। टीम ने मौके पर पहुंचकर पाया कि ग्राम जमुनिया टोला, धनौली निवासी 55 वर्षीय मती सोनकुंवर पनिका को रात्रि में जमीन पर सोने के दौरान जहरीले सर्प ने काट लिया था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डॉयल-112 टीम ने बिना किसी विलंब के पीड़िता को परिजनों के साथ ईआरवी वाहन से जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने तत्काल उपचार प्रारंभ किया। समय पर चिकित्सा सुविधा मिलने से महिला की जान बच गई और वर्तमान में उनकी स्थिति सामान्य है। यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि राज्य सरकार द्वारा स्थापित आपातकालीन सहायता प्रणाली केवल कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि संकट की प्रत्येक घड़ी में नागरिकों की सुरक्षा और जीवन रक्षा के लिए पूरी तत्परता से कार्य कर रही है।

बारिश में जलभराव से राहत के लिए निगम की बड़ी कार्रवाई
अवन्ति बाई चौक की नाली से हटाए अतिक्रमण।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने पलटवार किया

कांग्रेस को बारिश से किसानों को मिली राहत भी नहीं पच रही

रायपुर। संवाददाता

प्रदेश में बारिश के बाद जलभराव की स्थिति पर कांग्रेस के आरोप पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने पलटवार किया है. उन्होंने कहा कि किसानों को राहत मिली है, लेकिन कांग्रेस उसे भी नहीं पचा पा रही. बारिश होगी तो कुछ स्थानों पर जलभराव भी होगा. प्रशासन पूरी मुस्तैदी से काम कर रहा है, और जलभराव की स्थिति जल्द सामान्य हो जाएगी. उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने चिंतन शिविर को लेकर मीडिया से चर्चा में कहा कि देश के विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों, भारत सरकार के अधिकारियों, नीति आयोग के प्रतिनिधियों और समाज के कई महत्वपूर्ण लोगों का मार्गदर्शन मिला, इससे सरकार के नीति निर्धारण में बड़ा लाभ होगा. शासन प्रणाली कैसी होनी चाहिए, योजनाएं कैसे बनाई जाएं और प्रशासन को किस दिशा में काम करना चाहिए, इन सभी विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई. उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती पर दो दिनों तक मंथन हुआ. इससे कम लागत में बेहतर खेती और रासायनिक खेती के नुकसान को समझने का अवसर मिला, पर्यटन को बढ़ावा देने और राज्य की अर्थव्यवस्था में उसके योगदान पर भी चर्चा हुई मंत्रियों ने भी अपनी जिज्ञासाएं रखीं, इसका लाभ पूरे प्रदेश को मिलेगा. वहीं चिंतन शिविर को लेकर कांग्रेस द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर किए गए पोस्ट पर अरुण साव ने कहा कि कांग्रेस की स्थिति यही है कि सत्ता में रहते समय वह भ्रष्टाचार में व्यस्त रहती है, और सत्ता से बाहर होने पर दूसरी बातें याद आती हैं.

एआई तकनीक से होगी पीएमजीएसवाई सड़कों की निगरानी, डिप्टी सीएम विजय

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार अब प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनी ग्रामीण सड़कों की निगरानी के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक का इस्तेमाल करेगी। उप मुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा ने पीएमजीएसवाई की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को एआई आधारित सड़क निरीक्षण प्रणाली जल्द लागू करने के निर्देश दिए हैं। नई व्यवस्था के तहत प्रदेश की प्रत्येक पीएमजीएसवाई सड़क का हर महीने वीडियो आधारित निरीक्षण किया जाएगा। इसके लिए विशेष एआई आधारित ऐप और डैशबोर्ड तैयार किया गया है। यह तकनीक सड़कों पर मौजूद गड्ढों, दरारों और अन्य क्षतियों की स्वत: पहचान कर उनकी वास्तविक स्थिति का विश्लेषण करेगी, जिससे सड़क रखरखाव अधिक पारदर्शी और प्रभावी होगा। डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा कि एआई से प्राप्त डेटा के आधार पर सबसे अधिक क्षतिग्रस्त सड़कों की पहचान कर उन्हें प्राथमिकता से मरम्मत सूची में शामिल किया जाएगा। इसके अनुसार बजट और कार्ययोजना तैयार कर त्वरित संधारण कार्य शुरू किया जाएगा।

आयोग की सुनवाई में कई मामलों का निराकरण.....

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग में विभिन्न जिलों से प्राप्त शिकायतों और आवेदनों पर महत्वपूर्ण सुनवाई आयोजित की गई। आयोग के अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा) नेहरू राम निषाद, उपाध्यक्ष (राज्य मंत्री दर्जा) चन्द्रकान्ति वर्मा और सचिव संकल्प साहू की मौजूदगी में मामलों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए गए। सुनवाई के दौरान सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया, बलरामपुर और जशपुर से पहुंचे मलार समाज के 50 से अधिक प्रतिनिधियों ने समाज को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) में शामिल करने की मांग को लेकर सामूहिक आवेदन सौंपा। प्रतिनिधियों ने इस मांग के समर्थन में लिखित सहमति भी प्रस्तुत की। आयोग ने मामले का अवलोकन कर अधिकारियों को नियमानुसार त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। गरियाबंद जिले के हरिशंकर साहू द्वारा सामाजिक बहिष्कार की शिकायत पर ग्रामीण साहू संघ (मुरमुरा) के पदाधिकारी आयोग के समक्ष उपस्थित हुए। उन्होंने बताया कि आवेदक को पुन: समाज की मुख्यधारा में सम्मानपूर्वक शामिल कर लिया गया है और इसका प्रमाण-पत्र भी आयोग को सौंपा गया। वहीं, भू-अधिग्रहण के बदले मिली नौकरी से सेवा समाप्त किए जाने की शिकायत पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अधिकारियों ने अपना पक्ष रखा। आयोग ने इसे सेवा संबंधी विवाद बताते हुए आवेदक को केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण में आवेदन प्रस्तुत करने की सलाह दी।

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री ने जागरूकता रथ को दिखाई हरी झंडी

विश्व जनसंख्या दिवस पर जनसंख्या स्थिरता पखवाड़े का शुभारंभ

- 11 से 18 जुलाई तक जिलेभर में परिवार नियोजन और मातृ-शिशु स्वास्थ्य पर चलेंगे व्यापक जनजागरूकता अभियान

रायपुर/ संवाददाता

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर सरगुजा जिले में जनसंख्या स्थिरता पखवाड़े का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर नागरिकों को परिवार नियोजन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, छोटे परिवार के महत्व तथा जनसंख्या स्थिरता से जुड़े महत्वपूर्ण संदेशों से जागरूक करेगा। इस अवसर पर संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि स्वस्थ परिवार ही समृद्ध समाज और विकसित राष्ट्र की सबसे मजबूत आधारशिला है। जनसंख्या स्थिरता केवल जनसंख्या नियंत्रण का विषय नहीं, बल्कि माताओं और बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य, परिवार की आर्थिक ऊन्नति, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा समाज के संतुलित विकास से जुड़ा एक व्यापक सामाजिक अभियान है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परिवार यदि जिम्मेदारीपूर्वक परिवार नियोजन को अपनाए और बच्चों के जन्म के बीच उचित अंतर रखे, तो आने वाली पीढ़ी अधिक स्वस्थ, शिक्षित और सक्षम बन सकेगी। श्री अग्रवाल ने कहा कि राज्य शासन स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। परिवार नियोजन से संबंधित सभी आवश्यक

सेवाएं और साधन स्वास्थ्य संस्थानों में नि:शुल्क उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की भ्रांतियों या अफवाहों पर विश्वास न करें और स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही वैज्ञानिक एवं सुरक्षित सेवाओं का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि छोटा, स्वस्थ और शिक्षित परिवार ही आत्मनिर्भर समाज का आधार है। जनसंख्या स्थिरता के माध्यम से मातृ मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर तथा कुपोषण जैसी चुनौतियों में प्रभावी कमी लाई जा सकती है। यह अभियान केवल स्वास्थ्य विभाग का नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की सहभागिता से सफल होने वाला जनआंदोलन है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, शिक्षकों, युवाओं एवं मीडिया से इस जनहितकारी अभियान को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा 11 जुलाई से 18 जुलाई 2026 तक जिलेभर में आयोजित किया जाएगा। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा परिवार कल्याण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, परिवार नियोजन के आधुनिक साधनों की उपलब्धता, छोटे परिवार के लाभ तथा जनसंख्या स्थिरता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। स्वास्थ्य संस्थानों, ग्राम पंचायतों तथा नगरीय क्षेत्रों में जनजागरूकता अभियान, परामर्श शिविर, प्रचार-प्रसार गतिविधियां एवं समुदाय आधारित कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को परिवार नियोजन का संदेश दिया जाएगा।

संपादकीय

फीफा का यू-टर्न और ट्रंप कनेक्शन ! खेल से ज्यादा सियासत की चर्चा

फुटबॉल विश्व कप में अमेरिका के स्ट्राइकर फोलारिन बालोगन के निलंबन पर फीफा के फैसले ने विवाद खड़ा कर दिया है। रेड कार्ड के बाद सजा में बदलाव और ट्रंप कनेक्शन के आरोपों ने संस्था की निष्पक्षता व पारदर्शिता पर सवाल उठाए हैं। आलोचकों का कहना है कि खेल को राजनीतिक प्रभाव से दूर रखना खुद्द्ब्र की बड़ी जिम्मेदारी है। इस फुटबॉल विश्व कप में बहुत कुछ ऐसा है, जो पहली बार देखने को मिल रहा है। इसके बाद भी इवेंट की शुरुआत में चर्चा खेलों से ज्यादा अमेरिका-ईरान टकराव की रही। अब अमेरिका के स्ट्राइकर फोलारिन बालोगन से जुड़े विवाद ने खेलों में राजनीतिक दखल को लेकर चिंता और बढ़ा दी है। बालोगन को नॉकआउट मुकाबले में रेड कार्ड मिलने के बाद एक मैच के लिए निलंबित कर दिया गया था। शुरुआत में खुद फीफा और अमेरिकी फुटबॉल संघ ने कहा था कि सीधे रेड कार्ड मिलने के कारण इस मामले में अपील नहीं की जा सकती। लेकिन, अचानक आर्टिकल 27 का इस्तेमाल करते हुए फीफा ने बालोगन के निलंबन पर रोक लगा दी। यह आर्टिकल संस्था की न्यायिक समिति को विशेष अधिकार देता है। लेकिन, विवाद शुरू इस दावे से हुआ कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की वजह से फीफा को फैसला बदलना पड़ा है। ट्रंप ने बाद में फीफा को शुक्रिया भी कहा। यह पूरा घटनाक्रम जिस तरह सामने आया, उसने सहज ही फुटबॉल प्रेमियों के मन में संदेह पैदा कर दिया। अनुशासनात्मक मामलों में फीफा का रुख हमेशा कठोर माना जाता है, पर इस बार किन वजहों से उसने यूटर्न लिया, यह सवाल पूछा जा रहा है। विशेष अधिकार का इस्तेमाल असाधारण परिस्थितियों में किया जाता है। अगर इस मामले में वाकई ऐसा था, तो फीफा को स्पष्ट करना चाहिए। वरना आगे भी इस आर्टिकल के मनमाने इस्तेमाल की आशंका बनी रहेगी। यूरोपीय फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था श्वस्न और दूसरों से आ रही प्रतिक्रिया से साफ है कि इस मामले ने सभी को हैरान कर दिया है। फीफा के अध्यक्ष जियानी इंफेंटिनो पर वैसे भी ट्रंप से करीबी के आरोप हैं। उन्होंने पिछले साल दिसंबर में अमेरिकी राष्ट्रपति को फीफा का पहला पीस प्राइज दे दिया था। फीफा पर दुनिया के सबसे लोकप्रिय खेल को संभालने की जिम्मेदारी है। उनसे उम्मीद की जाती है कि वे सारे प्रभावों से हटकर खेल के हित में फैसले लेंगे। इस विश्व कप का विवादों से दूर रहना इसलिए भी जरूरी था, क्योंकि कतर में हुआ पिछला इवेंट भी गलत वजहों से सुर्खियों में आया था। लेकिन, अभी तक तो फीफा जियो-पॉलिटिक्स को फुटबॉल ग्राउंड से दूर रखने में नाकाम रहा है।

आर्थिक रूप से सक्षम और मानसिक रूप से खुद को मज़बूत दिखाती, घर के अंधेरे में उत्पीड़ित और अपमानित होती स्त्रियां सभी जगह हैं। परिवार बनाने और बचाने से लेकर उसकी शांति और सुव्यवस्था के नाम पर अपनी योग्यता तथा डिग्रियों को दफ्न करती, अपनी पसंद-नापसंद को दरकिनार करती स्त्रियां किसी न किसी रूप में प्रत्येक घर में हैं। पिता की खराब आर्थिक स्थिति और भाई की शिक्षा के लिए पढ़ाई से वंचित की जाती बेटियां भी आम हैं। उच्च शिक्षित लड़कियों की शादी होते ही परंपरागत बहू, पत्नी, सेविका बन जाने की कामना अधिसंख्य भारतीय घरों में इतनी बड़ी है कि ऐसा न कर पाने वाली महिलाओं को लांछित और प्रताड़ित तो किया ही जाता है, कई बार हत्या तक कर दी जाती है। हाल में घटी कई निर्मम घटनाएं भारत में महिलाओं के खिलाफ होने वाली हिंसा की भयावह तस्वीर पेश करती हैं।

नौकरी भी, घर भी और समझौता भी, परतों में पलती स्त्री के विरुद्ध हिंसा

(संगीता सहाय)

स्त्री के विरुद्ध हिंसा के तमाम मामले किसी खास वर्ग में सीमित न होकर शिक्षित-अशिक्षित, संपन्न-गरीब हर तबके में समान रूप से होते हैं। दफ्तर से लौटने के बाद घर के काम करती एक कामकाजी महिला, जो महिलाओं पर दोहरी जिम्मेदारियों और लैंगिक असमानता को दर्शाती फीचर इमेज। कामकाजी महिलाओं से आज भी घर और दफ्तर दोनों की जिम्मेदारियां समान रूप से निभाने की अपेक्षा की जाती है।

अक्सर बड़े पदों पर आसीन, निजी व्यवसाय या अन्य कामों में व्यस्त महिलाओं से भी यह आशा की जाती है कि वे अपनी नौकरी के काम के साथ-साथ घर के कामों को भी शिद्दत के साथ निपटाएं। चाहे इसके लिए उन्हें अपने विकास से समझौता ही क्यों न करना पड़े। हमारे आसपास घर के कामों में पिसती, चूल्हा-चौकी के लिए 'दिन-रात एक करती' और ऐसा नहीं कर पाने पर तानों की बौछार झेलती, अपमानित होती और पिटती महिलाएं देखी जा सकती हैं। आश्चर्य यह है कि ज्यादातर महिलाएं इन चीजों को सहज भाव से लेती हैं। उनके अनुसार दोहरी, तिहरी जिम्मेदारियों को एक साथ निभाने में ही स्त्री होने की सफलता है। सामाजिक मानक ऐसी स्त्रियों को ही अपने खांचे के अनुकूल मानता है।

आर्थिक रूप से सक्षम और मानसिक रूप से खुद को मजबूत दिखाती, घर के अंधेरे में उत्पीड़ित और अपमानित होती स्त्रियां सभी जगह हैं। परिवार बनाने और बचाने से लेकर उसकी शांति और सुव्यवस्था के नाम पर अपनी योग्यता तथा डिग्रियों को दफ्न करती, अपनी पसंद-नापसंद को दरकिनार करती स्त्रियां किसी न किसी रूप में प्रत्येक घर में हैं। पिता की खराब आर्थिक स्थिति और भाई की शिक्षा के लिए पढ़ाई से वंचित की जाती बेटियां भी आम हैं। उच्च शिक्षित लड़कियों की शादी होते ही परंपरागत बहू, पत्नी, सेविका बन जाने की कामना अधिसंख्य भारतीय घरों में इतनी बड़ी है कि ऐसा न कर पाने वाली महिलाओं को लांछित और प्रताड़ित तो किया ही जाता है, कई बार हत्या तक कर दी जाती है। हाल में घटी कई निर्मम घटनाएं भारत में महिलाओं के खिलाफ होने वाली हिंसा की भयावह तस्वीर पेश करती हैं।

दरअसल, स्त्री कोई भी हो, पढ़ी-लिखी, सुयोग्य, ओहदेदार, डॉक्टर, इंजीनियर, मॉडल, कलाकार, सामान्य घरेलू या कोई अन्य, सभी से कमोबेश यही आशा की जाती है और उसका मूल्यांकन इसी रूप में किया जाता है कि वह वंशवृद्धि कर पाई या नहीं, पति और ससुराल वालों को कितना खुश कर पाई, घर की सजावट, दूसरों की खुशी के लिए किस हद तक समझौता करती है, साफ-सफाई, खाना बनाने आदि में कितनी माहिर है और सबसे बढ़कर यह कि कैसे वह एक आदर्श परंपरागत बहू बनकर खुद को, अपने काम और पसंद को दोयम बना देती है। समाज कहता है कि स्त्री होने के नाते उसकी पहली और अंतिम प्राथमिकता यही है। वास्तव में समाज तथा परिवार के वर्तमान स्वरूप में बने रहने का बीज स्त्री के इसी दोहन में छिपा है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) और राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार, 18-49 आयु वर्ग की लगभग 32 फीसद विवाहित महिलाओं ने अपने जीवनकाल में कभी न कभी पति या ससुराल पक्ष के लोगों द्वारा शारीरिक, यौन तथा भावनात्मक हिंसा को झेला है। 15-49 साल की महिलाओं में 31.9 फीसद ने मात्र 15 वर्ष की उम्र में शारीरिक हिंसा झेली है। ग्रामीण क्षेत्र में हर चौथी तथा शहरी क्षेत्रों में हर छठी महिला घरेलू हिंसा का शिकार होती है। स्वयं को अतिशय संस्कृतिनिष्ठ कहने वाले हमारे देश को दुनिया भर में अंतरंग साथी द्वारा की जाने वाली शारीरिक और यौन हिंसा के उच्च प्रसार वाले देशों में गिना जाता है।

गौरतलब है कि एनसीआरबी के आंकड़े सिर्फ दर्ज हुए मामले बताते हैं। एनएफएचएस बताता है कि घरेलू हिंसा के मामले में 86 फीसद महिलाओं ने कभी मदद मांगी ही नहीं। यानी असली हिंसा के मामले इन आंकड़ों से कई गुना ज्यादा हैं। ज्यादातर महिलाएं सामाजिक बदनामी, लोकलाज, भय, असुरक्षा के भाव, आर्थिक परनिर्भरता आदि के कारण पुलिस तक पहुंच ही नहीं पाती हैं।

स्त्री के विरुद्ध हिंसा के तमाम मामले किसी खास वर्ग में सीमित न होकर शिक्षित-अशिक्षित, संपन्न-गरीब हर तबके में समान रूप से होते हैं। आश्चर्यजनक यह भी है कि स्त्री आर्थिक रूप से सक्षम हो या घरेलू, पढ़ी-लिखी हो या अनपढ़, कमोबेश सभी स्तर पर घरेलू हिंसा का शिकार बनती है और कई कारणों से इसे जीवन का हिस्सा मानकर चुप्पी ओढ़े रहती है। चूंकि अधिकांश स्त्रियां अपनी मां, दादी, चाची, बुआ आदि को इसी रूप में देखती बड़ी होती हैं, इसीलिए उनके लिए यह सब साधारण बात होती है। आर्थिक रूप से पराश्रित स्त्रियों को अक्सर यह भी सुनने को मिल जाता है कि खाना, कपड़ा, गहना, दुलार, सुरक्षा सब तो मिल ही रहा है, पति है, गुस्से में कभी-कभार पीट ही दिया तो क्या हो गया ! घरेलू हिंसा के प्रति यह सामाजिक स्वीकार्यता ही इस अपराध को और बढ़ा रही है।

सवाल यह है कि क्या स्त्रियों के साथ होने वाली हिंसा बदस्तूर यों ही जारी रहेगी। तमाम कानूनों, नियमों और पहल के बावजूद इसमें कमी क्यों नहीं हो रही है? स्त्री की शिक्षा, उसका सशक्तीकरण आदि क्या इसे रोक पा रहे हैं? इस समस्या का निदान क्या है?

सच यह है कि कई सकारात्मक सामाजिक और व्यवस्थागत कोशिशों के बावजूद भारत के लगभग हर हिस्से में स्त्रियों के विरुद्ध होने वाली घरेलू हिंसा के मामले और बढ़े हैं। कानून और व्यवस्थाएं एक हद तक अपना काम कर रही हैं, लेकिन जरूरत उस सोच को जानने और समझने की है, जो घरेलू हिंसा का कारण है। हमारी व्यवस्था में स्त्री को बेचारगी से उबारने के लिए पता नहीं कितने नियम और कानून बने हैं। सामाजिक संस्थाएं लगातार स्त्रियों के उत्थान के लिए काम करने का दावा करती रही हैं। पर दुखद है कि अभी तक हम उस नासूर से ही अनजान हैं, जहां से यह दर्द निकलकर आता रहा है। वह नासूर है, पुरुष मानसिकता की श्रेष्ठतावादी सोच।

सदियों से पितृसत्तावादी समाज की जड़ों में यह बैठा है कि स्त्री, पुरुष से कमतर है, दोयम है, संपत्ति है आदि। हर स्तर पर हो रही स्त्री के खिलाफ हिंसा की असली वजह भी इसी सोच में समाई है। इसे रोकने के लिए इसी सोच के खिलाफ लड़ना और इसे मिटाना होगा। महिलाओं के कथित उत्थान में लगी व्यवस्थाओं को अपनी ऊर्जा इसी सोच को स्थायी तौर से मिटाने में लगानी होगी।

महत्वपूर्ण यह भी है कि जिसके साथ गलत हो रहा है, वह मजबूती से आवाज उठाए। सामाजिक बनावट, परंपरा, सोच, शर्म, भय आदि को परे झटककर स्त्री सबसे पहले अपने लिए, अपने साथ खड़ी हो जाए। उसे सबसे पहले अपने आप को मनुष्य समझना होगा, अपनी खुशियों की पहचान करनी होगी। स्वयं को वास्तविक संदर्भों में तरजीह देनी होगी। 'जिसकी छत टपकती है, निर्माण की पहल भी उसे ही करनी होती है।' यहां तो एक पक्ष चाहता ही है कि पितृसत्ता की भ्रामक श्रेष्ठता वाली व्यवस्था सदैव बनी रहे, क्योंकि उसका सुख उसी में है। स्त्री को हर स्तर पर इस जाल को न सिर्फ समझना होगा, बल्कि उसे काटने के लिए खड़ा भी होना पड़ेगा। पहचान, शिक्षा, सम्मान, कमाई, समय, पसंद, नापसंद जो भी उसका है, उसे हक के साथ लेना होगा। पहली बार में ही हिंसा की कुचेष्टा पर अंतिम रूप से लगाम लगाना अनिवार्य है। घर का होना और उसका हंसता-मुस्कुराता स्वरूप जरूरी है, पर वह सब उस घर की बेटी, बहू या अन्य स्त्री चरित्र की खुशियों की कीमत पर अस्वीकार्य है। कानून भी यही कहता है।

सब चलता है

मालवीय नगर अग्निकांड के बाद दिल्ली, यूपी की सरकारों ने ऐसे तमाम होटलों और कमर्शल एक्टिविटी पर रोक लगाने के आदेश दिए, जो नियमों का उल्लंघन कर चलती मिलें। चंद रोज़ का दिखावा हुआ, फिर सब शांत और अब लखनऊ की घटना के बाद सीएम एक बार फिर सारे अवैध कारोबारों को सील करने का वही आदेश दोहरा रहे हैं, जो बीस दिन पहले दिया था।

(अक्षय शुक्ला)

1997- दिल्ली उपहार सिनेमा, 59 मौतें। 2011- कोलकाता अस्पताल, 90 मरे। 2019- सूरत कोचिंग सेंटर, 22 स्टूडेंट्स की मौत। 2024- राजकोट गेमिंग ज़ोन, 27 मारे गए। 2025- गोवा नाइट क्लब फायर, 25 की मौत। इनमें से एक हादसे के बाद भी अगर गंभीरता से एक्शन होता तो कितने लोगों को असमय काल के गाल में जाने से बचाया जा सकता था। लेकिन ऐसा नहीं हुआ और बीती 3 जून को दिल्ली के मालवीय नगर में अवैध रूप से बने होटल की आग में 21 जानें चली गईं, जिनमें एक पूरा परिवार ही खत्म हो गया। इतने बड़े हादसे से भी सबक सीख लिया होता तो लखनऊ के अलीगंज

में 15 युवाओं का यूं भयावह अंत न होता। इन सब हादसों में वही सब कारण सामने आए जैसे बिना फायर एनओसी चलना, लेआउट प्लान का उल्लंघन कर अतिक्रमण और इमरजेंसी एग्ज़िट तक ब्लॉक कर देना। नियमों की ऐसी धज्जियां तब उड़ रहीं, जब देश की सुप्रीम कोर्ट कई बार सख्त आदेश दे चुकी है। मालवीय नगर अग्निकांड के बाद दिल्ली, यूपी की सरकारों ने ऐसे तमाम होटलों और कमर्शल एक्टिविटी पर रोक लगाने के आदेश दिए, जो नियमों का उल्लंघन कर चलती मिलें। चंद रोज़ का दिखावा हुआ, फिर सब शांत और अब लखनऊ की घटना के बाद सीएम एक बार फिर सारे अवैध कारोबारों को सील करने का वही आदेश दोहरा रहे हैं, जो बीस दिन पहले दिया था। कायदे से तो जब आपने चंद रोज़ पहले ही फरमान जारी किया है तो उसे दोबारा देने की नौबत ही नहीं आनी चाहिए थी, बल्कि आपको यह पूछना चाहिए था कि उस दिन के आदेश पर अब तक क्या एक्शन हुआ? अलीगंज में आवासीय परिसर की मंजूरी थी, वहां तीन मंज़िला कमर्शल एक्टिविटी चलती रही, ज़िम्मेदार आंखों पर पट्टी बांधे बैठे रहे।

अब जब इतनी जानें चली गईं तब इमारत के मालिक को गिरफ्तार और चार अफसरों को सस्पेंड कर खानापूर्ति कर ली। ऐसे ही, मालवीय नगर में होटल मालिक को गिरफ्तार कर काम खत्म समझ लिया, पर उन अधिकारियों का क्या, जिन पर फायर एनओसी चेक करने की ज़िम्मेदारी थी। 6 कमरों के लिए पास हुआ यह ब्रेड एंड ब्रेकफास्ट होटल 25 कमरों तक कैसे पहुंच गया? किसकी अनुमति से यह हुआ, उनकी सज़ा निलंबन या तबादला ही क्यों, लाक्षागृहों के ज़िम्मेदारों पर मर्डर का मुकदमा क्यों न चले?

होटल मालिक का यह बयान सिस्टम के गाल पर ज़ोरदार तमाचा है कि नियमों की परवाह इसलिए नहीं की क्योंकि एक करीबी ने उसे बताया था, दिल्ली में सब चलता है। देश की राजधानी में यह बेखौफी आ जाए तो समझ लीजिए सिस्टम में कितनी ज़ंग लग चुकी है।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

आस्था के मुखौटे में अवसरवादी राजनीति

राम मंदिर चढ़ावा अपहार प्रकरण ने हिंदू समाज के विश्वास को ठेस पहुंचाई है। धर्म शास्त्रों में मंदिर से जुड़ी संपत्ति के लिए 'देवद्रव्य' शब्द का प्रयोग मिलता है। इसमें केवल देवताओं के आभूषण ही नहीं, बल्कि भूमि, दान, अनाज, पशुधन और पूजा सामग्री जैसी सभी वस्तुएं शामिल थीं। एक बार समर्पित हो जाने के बाद यह संपत्ति व्यक्तिगत नहीं रह जाती थी, और इसके अपहार को प्रायः केवल आर्थिक अपराध के रूप में नहीं देखा जाता, बल्कि इन्हें आस्था और सामाजिक विश्वास पर चोट के रूप में भी समझा जाता है।

(डॉ. आशीष वशिष्ठ)

राम मंदिर चढ़ावा अपहार प्रकरण ने हिंदू आस्था को आहत किया है, जिसका लाभ उठाकर विपक्षी दल अवसरवादी राजनीति कर रहे हैं; यह विश्लेषण उन दलों के पाखंड को उजागर करता है जिन्होंने ऐतिहासिक रूप से मंदिर निर्माण का विरोध किया था।

राम मंदिर चढ़ावा अपहार प्रकरण ने हिंदू समाज के विश्वास को ठेस पहुंचाई है। धर्म शास्त्रों में मंदिर से जुड़ी संपत्ति के लिए 'देवद्रव्य' शब्द का प्रयोग मिलता है। इसमें केवल देवताओं के आभूषण ही नहीं, बल्कि भूमि, दान, अनाज, पशुधन और पूजा सामग्री जैसी सभी वस्तुएं शामिल थीं। एक बार समर्पित हो जाने के बाद यह संपत्ति व्यक्तिगत नहीं रह जाती थी, और इसके अपहार को प्रायः केवल आर्थिक अपराध के रूप में नहीं देखा जाता, बल्कि इन्हें आस्था और सामाजिक विश्वास पर चोट के रूप में भी समझा जाता है।

विपक्षी दल इस प्रकरण की आड़ में भारतीय जनता पार्टी पर आक्षेपों की बौछार कर रहे हैं। ये वहीं दल और नेता हैं जिन्होंने अयोध्या केस, राम मंदिर निर्माण और मंदिर से जुड़े विशेष अवसरों पर बड़ी निर्लज्जता से निम्नस्तरीय राजनीति की। रामकाज में पग–पग पर बाधा डाली। ऐसे में इन दलों और नेताओं का एकाएक भगवान राम और राम मंदिर के प्रति उमड़ा प्रेम, आदरभाव, चिंता और सक्रियता उन्हें प्रश्नों और संदेह के घेरे में खड़ा करती है।

देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल कांग्रेस को सनातन धर्म, हिंदुओं और राम मंदिर से कितनी चिढ़ है, इसके तमाम प्रमाण हैं। गांधी परिवार ने राम मंदिर निर्माण का कभी समर्थन नहीं किया। कांग्रेस सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर कहा था कि राम, सीता, हनुमान और वाल्मीकि काल्पनिक किरदार हैं। तीन तलाक पर सुनवाई के दौरान कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल ने इस्लामी कुरीति की तुलना भगवान श्रीराम से की थी। राम मंदिर वाद का निर्णय टालने का हरसंभव प्रयास कांग्रेस ने किया। राम मंदिर के भूमि पूजन पर रोक लगाने के लिए राहुल गांधी के करीबी साकेत गोखले ने याचिका दायर की थी।

कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई ने अपने 7 नेताओं को इसलिए निष्कासित कर दिया, क्योंकि उन्होंने व्हाट्सएप ग्रुप में 'जय श्रीराम' लिखा था। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने जय श्रीराम कहने वालों की तुलना राक्षस से की थी। अमेरिका के रटगर्स विश्वविद्यालय में इतिहास की सहायक प्रोफेसर ऑड्रे ट्रुश्के ने एक ट्वीट में, भगवान राम को महिला से द्वेष करने वाला और असभ्य बताया था। विवादित ट्वीट करने वाली महिला के समर्थन में कांग्रेस पार्टी न सिर्फ ट्वीट किया बल्कि अपने अखबार नेशनल हेराल्ड में एक लेख भी छापा। 1990 में अयोध्या में कारसेवकों पर मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के निर्देश पर पुलिस ने गोलियां चलाई थी। कारसेवकों के रक्त से सरयू का जल लाल हो गया था। अपने विशेष वोट बैंक को सुरक्षित रखने के लिए भगवान राम के अपमान और उससे जुड़े मुद्दों पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव की चुप्पी सर्वविदित है। राष्ट्रीय जनता दल के नेता लालू प्रसाद यादव भगवान श्रीराम के मंदिर निर्माण में उस समय प्रमुख बाधा बने थे, जब रथ लेकर निकले भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को बिहार में गिरफ्तार किया था। राजद नेता जगदानंद सिंह ने अयोध्या में बन रहे भगवान श्रीराम के मंदिर की जगह को 'नफरत की जमीन बताकर भगवान श्रीराम का अपमान किया था। आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल ने कहा था, जब बाबरी मस्जिद का ध्वंस हुआ तो मैंने नानी से पूछा कि नानी अब तो आप बहुत खुश होंगे। अब आपके भगवान राम का मंदिर बनेगा। नानी ने कहा कि ना बेटा, मेरा राम किसी की मस्जिद तोड़कर ऐसे मंदिर में नहीं बस सकता। तृणमूल कांग्रेस की नेता और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जय श्रीराम के उद्घोष पर कैसे नाराज होती थी, ये दृश्य देशवासियों ने देखे हैं।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि आजादी के बाद के लंबे कालखंड तक तथाकथित सेक्युलर और तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले राजनीतिक दलों ने हिन्दुओं को दोयम दर्जे का नागरिक बना कर रखा। पिछले एक दशक में हिंदू मानस सांस्कृतिक, राजनीतिक और सामाजिक तौर जाग्रत हुआ है। इसका श्रेय मोदी सरकार के सांस्कृतिक पुनर्जागरण के प्रयासों को जाता है। वहीं तुष्टिकरण की राजनीति के तहत जब भी किसी दल ने सनातन संस्कृति पर अनुचित टिप्पणियां कीं या हिंदू समाज का अहित सोचा, उस समय हिंदू समाज के साथ भाजपा ने उसकी निंदा की और सुदृढ़ पक्ष लिया। इसी कारण उसने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए शुरू किए गए आंदोलन का खुलकर समर्थन किया।

भाजपा विरोधी दल भले ही अपने एजेंडे के तहत हिंदुत्व को कटघरे में खड़ा करते रहे हों, लेकिन भाजपा ने उससे कभी समझौता नहीं किया। राम मंदिर का निर्माण भाजपा के एजेंडे में शामिल रहा। हिंदूवादी संगठनों और भाजपा के प्रयासों, संघर्षों और प्रतिबद्धता के फलस्वरूप अयोध्या में भव्य, राम मंदिर बना है। राम मंदिर का निर्माण करोड़ों हिंदुओं के सहयोग से हुआ है। सरकारी कोष का एक नया पैसा भी मंदिर निर्माण में नहीं लगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर हुआ। मंदिर प्रबंधन, व्यवस्था और रोजमर्रा के कामकाज में न भाजपा का कोई दखल और न कोई भूमिका ही है। चढ़ावा अपहार प्रकरण के बाद केजरीवाल रामलला के दर्शन करने पहुंचे। कांग्रेस के कई नेता रामलला के दर्शनों को आतुर हैं। हालांकि केजरीवाल, कांग्रेस और अन्य नेताओं की अयोध्या आने की टाइमिंग सवाल तो खड़े करती ही है? ये वही लोग हैं जो अयोध्या विवाद को उलझाए रखना चाहते थे। यह वही लोग हैं जो अयोध्या में राम मंदिर के स्थान पर स्कूल, अस्पताल और सर्वधर्म स्थान बनाने की तर्क देते थे। कहते थे, मंदिर बनने से देश का विकास होगा क्या? मंदिर निर्माण में इनका योगदान शून्य है। 27 साल से ज्यादा रामलला टेंट में रहे, तब ये नेता और राजनीतिक दल कहां थे?

चढ़ावा प्रकरण में पॉलिटिकल माइलेज लेने के लिए राम विरोधी मां सीता और लव कुश का मंदिर बनाने और अयोध्या का अनुपम-अनुकरणीय धार्मिक नगरी के रूप में विकसित करने के दावे पेश कर रहे हैं। असल में, इन्हें भगवान राम, राम मंदिर, हिंदू और सनातन से कोई लेना–देना नहीं है। और न ही इन्हें राम भक्तों की पीड़ा से कोई मतलब है। चढ़ावा अपहार प्रकरण में अखिलेश यादव दुखी होने की बजाय, मजे लेते हुए, व्यंग्य करते हुए दिखते हैं। सोनिया गांधी, राहुल गांधी, अखिलेश यादव, प्रियंका गांधी, डिम्पल यादव, ममता बनर्जी, तेजस्वी यादव आदि नेताओं को अब तक राम लला के दर्शन नहीं किये हैं।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि, तथाकथित सेक्युलर वादी और फर्जी नैरेटिव चलाने वालों की राजनीति तेजी से सिमट रही है। हिंदू मानस इनके फर्जी नैरेटिव और प्रोपेगेंडा में अब फंस नहीं रहा। ऐसे में अपनी बची खुची राजनीति बचाने के लिये ये हिंदू समाज को बांटने का षड्यंत्र रचते रहते हैं। राम मंदिर चढ़ावा अपहार प्रकरण में विपक्ष को राजनीतिक ऑक्सीजन मिलती दिख रही है। इस प्रकरण में भाजपा की छवि धूमिल कर विपक्ष उसके जनाधार और वोट बैंक को प्रभावित करने के सपने देख रहा है। लेकिन इस राजनीति और पैंतरेबाजी के बीच विपक्ष यह भूल जाता है कि हिंदू मानस सुनता सबकी है; वो सबको अवसर भी देता है; सबको आजमाता भी है। लेकिन एक बार जांचने-परखने और समझने के बाद वो ऐतिहासिक निर्णय लेता है। इसका सबसे ताजा उदाहरण पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे हैं। चढ़ावा अपहार प्रकरण से हिंदू मानस व्यथित है। उसके विश्वास को गहरी ठेस लगी है। लेकिन अपने आराध्य प्रभु श्रीराम के प्रति उसकी आस्था और श्रद्धा अटूट है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आश्वस्त कर चुके हैं कि दोषी बचेंगे नहीं। जनमानस योगी जी के वचनों पर विश्वास करता है। विशेष जांच दल मामले की जांच कर रहा है।

कोण्डागांव में एसआई प्रारंभिक परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न, 1,057 में से 974 अभ्यर्थी हुए शामिल

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) द्वारा आयोजित सूबेदार, उप निरीक्षक संवर्ग, प्लाटून कमांडर (प्रारंभिक) परीक्षा-2024 रविवार को कोण्डागांव जिले के चार परीक्षा केन्द्रों में शांतिपूर्ण एवं कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न हुई। जिले में कुल 1057 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 974 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 83 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित की गई। जिले में परीक्षा के लिए चार केन्द्र बनाए गए थे। शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 250 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 235 उपस्थित और 15 अनुपस्थित रहे। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 250 में से 229 अभ्यर्थी शामिल हुए, जबकि 21 अनुपस्थित रहे। स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय तहसीलपारा केन्द्र में 257 में से 234 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी और 23 अनुपस्थित रहे। वहीं स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, जामकोटपारा में 300 में से 276 अभ्यर्थी उपस्थित रहे, जबकि 24 अनुपस्थित रहे। परीक्षा के सफल संचालन के लिए कलेक्टर के निर्देशन में व्यापक प्रशासनिक तैयारियां की गई थीं। डिप्टी कलेक्टर अश्वन कुमार पुसाम को नोडल अधिकारी तथा शशिभूषण कन्नौजे को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया था। विभिन्न परीक्षा केन्द्रों के लिए तहसीलदार, आबकारी अधिकारी और पुलिस विभाग के अधिकारियों को उड़नदस्ता दल एवं परीक्षा सामग्री वितरण की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। परीक्षा सामग्री को जिला कोषालय से परीक्षा केन्द्रों तक पूरी सुरक्षा के साथ पहुंचाने के लिए सीलबंद पैकेटों के परिवहन में जीपीएस ट्रैकिंग की व्यवस्था की गई थी। इसके लिए अलग-अलग रूट चार्ट और आरक्षित वाहनों का उपयोग किया गया। सभी अधिकारियों को सुबह 8:30 बजे जिला कोषालय से परीक्षा सामग्री प्राप्त कर निर्धारित समय पर केन्द्राध्यक्षों को सौंपने के निर्देश दिए गए थे। परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल भी तैनात किया गया था। प्रशासन की सतर्क निगरानी, कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और समन्वित तैयारियों के चलते जिले के सभी परीक्षा केन्द्रों में परीक्षा बिना किसी व्यवधान के शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

दर्दनाक सड़क हादसा : कांकेर रोडवेज बस से टकराई कार, चालक की मौत, मां-बेटा घायल

कोण्डागांव। राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर रविवार सुबह करीब 8 बजे सिटी कोतवाली क्षेत्र के बनियागांव स्थित नीलगिरि प्लांट के पास हुए भीषण सड़क हादसे में कार चालक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कार में सवार मां-बेटा घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब जगदलपुर से रायपुर जा रही कांकेर रोडवेज की बस सीजी 19 एफ1215 और कोण्डागांव से गीदम जा रही कार सीजी 27 आर 1419 आमने-सामने टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई और चालक का शव वाहन में बुरी तरह फंस गया। मृतक की पहचान शंभू साहू (38) पिता रामनाथ साहू निवासी नहरपारा कोण्डागांव के रूप में हुई है। हादसे में राजेश्वरी सोनी (45) पति विजय सोनी और बॉबी सोनी (24) पिता विजय सोनी निवासी विकासनगर कोण्डागांव घायल हुए हैं। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। जानकारी के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त कार कोण्डागांव के व्यापारी ओम प्रकाश टावरी की थी। उन्होंने अपने स्टाफ बॉबी सोनी को गीदम जाने के लिए कार दी थी। बॉबी की बहन की तबीयत खराब होने की सूचना मिलने पर वह अपनी मां राजेश्वरी सोनी और चालक शंभू साहू के साथ गीदम जा रहे थे। इसी दौरान बनियागांव के पास सामने से आ रही रोडवेज बस से कार की भीषण टक्कर हो गई।

हादसे के बाद चालक शंभू साहू का शव कार में बुरी तरह फंस गया। सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद क्षतिग्रस्त कार को काटकर चालक का शव बाहर निकाला गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि मृतक शंभू साहू के परिवार में केवल वे और उनके पिता ही थे। इस हादसे के बाद अब परिवार में सिर्फ उनके पिता ही शेष रह गए हैं, जिससे पूरे इलाके में शोक का माहौल है।

स्मार्ट एवं सतत कृषि को लेकर युवाओं ने रखे नवाचार, लाइवलीहुड कॉलेज में आयोजित हुआ वीबीवाईएलडी गोलमेज सम्मेलन

दंतेवाड़ा। माई भारत एवं भोर संस्था के संयुक्त तत्वावधान में वीबीवाईएलडी (विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग) गोलमेज सम्मेलन का आयोजन लाइवलीहुड कॉलेज, दंतेवाड़ा में किया गया। सम्मेलन का विषय स्मार्ट एवं सतत कृषि के माध्यम से उत्पादकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नीति-निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ते हुए कृषि क्षेत्र में नवाचार, तकनीक और स्थानीय अनुभवों के आधार पर उनके सुझावों को राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाना था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक चैतराम अटामी ने कहा कि कृषि क्षेत्र में युवाओं की भागीदारी समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बस्तर की पारंपरिक कृषि पद्धतियों को आधुनिक तकनीक, नवाचार और वैज्ञानिक सोच से जोड़कर किसानों की आय में वृद्धि की जा सकती है तथा कृषि को अधिक टिकाऊ और लाभकारी बनाया जा सकता है। परिचर्चा सत्र में कृषि विज्ञान केंद्र, दंतेवाड़ा के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. ओम प्रकाश ने मौसम आधारित कृषि प्रबंधन, आंकड़ों पर आधारित खेती तथा उन्नत बीजों के उपयोग की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। वनस्पति वैज्ञानिक गणेश निषाद ने लघु वनोपज, स्थानीय जैव-विविधता के संरक्षण एवं उसके वैज्ञानिक विपणन की आवश्यकता बताई।

एग्रीस्टैक अंतर्गत बकेट क्लेम प्रशिक्षण आयोजित कार्यों में तेजी लाने के दिए गए निर्देश

दंतेवाड़ा। जिला कार्यालय के तृतीय तल स्थित डॉकिनी सभाकक्ष में एग्रीस्टैक अंतर्गत बकेट क्लेम संबंधी प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य एग्रीस्टैक से जुड़े कार्यों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना तथा मैदानी स्तर पर आ रही तकनीकी एवं प्रक्रियागत समस्याओं का समाधान करना था। प्रशिक्षण में एसडीएम लोकांश एल्मा, डिप्टी कलेक्टर मूलचंद चोपड़ा एवं नायाब तहसीलदार सुगरिमा प्रधान द्वारा एग्रीस्टैक अंतर्गत बकेट क्लेम की संपूर्ण प्रक्रिया की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में पूर्व में जारी निर्देशानुसार जिले के समस्त पटवारी, कृषि विस्तार अधिकारी, लैम्पस प्रबंधक, खाद्य निरीक्षक, सहकारिता निरीक्षक तथा कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के वीएलई (वीएलई) उपस्थित रहे। अधिकारियों ने पोर्टल पर डेटा सत्यापन, किसान पंजीयन, बकेट क्लेम की प्रक्रिया, त्रुटियों के निराकरण तथा दावा प्रक्रिया के विभिन्न चरणों की जानकारी देते हुए प्रतिभागियों की शंकाओं एवं तकनीकी समस्याओं का मौके पर समाधान किया। इस प्रशिक्षण के दौरान सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि एग्रीस्टैक से संबंधित लंबित कार्यों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें। साथ ही किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए बकेट क्लेम की प्रक्रिया में तेजी लाने तथा निर्धारित समय-सीमा में सभी प्रकरणों का निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजनारू दंतेवाड़ा के 84 युवाओं को NMDC में मिला इंटर्नशिप का अवसर

दंतेवाड़ा । प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के 84 युवाओं के लिए रोजगार और कौशल विकास की राह आसान हो गई है। इन युवाओं को देश की प्रतिष्ठित नवरत्न कंपनी राष्ट्रीय खनिज विकास निगम में निःशुल्क व्यावहारिक प्रशिक्षण (इंटर्नशिप) प्राप्त करने का सुनहरा अवसर मिला है। शनिवार को लाइवलीहुड कॉलेज दंतेवाड़ा में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान सभी चयनित युवाओं को उनके नियुक्ति-पत्र सौंपे गए। यह कार्यक्रम जिला प्रशासन, जिला रोजगार विभाग और माई भारत संगठन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक चैतराम अटामी ने चयनित युवाओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह पहल जिले के युवाओं को मुख्यधारा के रोजगार से जोड़ने और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बेहद महत्वपूर्ण और प्रभावी कदम है। विभागीय अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस वर्ष मई महीने में प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया था।

कोण्डागांव मंडी परिसर में युवक पर चाकू से हमला पेट समेत 5 जगह वार, जिला अस्पताल में भर्ती

कोण्डागांव। जिला मुख्यालय कोण्डागांव के मंडी परिसर स्थित शिव मंदिर के पास एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया गया। घटना में शक्ति कोर्राम (19) निवासी शीतलापारा गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे देर रात जिला अस्पताल कोण्डागांव में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। डॉक्टरों के अनुसार युवक के शरीर पर 4 से 5 जगह चाकू के घाव हैं, जिनमें पेट का घाव सबसे गंभीर है। फि लहाल उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। घायल शक्ति कोर्राम ने बताया कि वह हमाली मजदूरी का काम करता है। उसके अनुसार कुछ युवकों ने रात में उसे फ ोन कर मंडी परिसर बुलाया। वहां पहुंचने पर पहले उसके साथ मारपीट की गई, फिर चाकू से पेट, जांघ और शरीर के अन्य हिस्सों पर कई वार किए गए। शक्ति का आरोप है कि हमले में रेहान ने चाकू से वार किया, जबकि टीकम ने डंडे से मारपीट की। उसने यह भी आरोप लगाया कि मौके पर मौजूद अन्य युवक भी मारपीट में शामिल थे और अधिकांश ने शराब पी रखी थी। शक्ति ने बताया कि विवाद की शुरुआत उसके परिचित बाबा को लेकर हुई थी। कुछ युवक उसके भाई बाबा को निशाना बना रहे थे। जब उसने इसका विरोध करते हुए कारण पूछा, तो आरोपियों ने उसे लगातार फोन कर मौके पर बुलाया। वहां बातचीत के दौरान विवाद बढ़ गया और उसके साथ मारपीट कर चाकू से हमला कर दिया गया। घायल के भाई संजू कोर्राम ने बताया कि रात करीब 12 बजे कुछ युवकों ने शक्ति को फोन कर बुलाया था। शक्ति ने उनसे कहा था कि यदि कोई विवाद है तो सुबह बैठकर सुलझा लेंगे, लेकिन आरोपियों ने गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दी। संजू का आरोप है कि टीकम और रेहान खान सहित अन्य युवकों ने मिलकर उसके भाई पर हमला किया। घटना की जानकारी मिलने पर परिजन अस्पताल पहुंचे। उन्होंने बताया कि मामले में पुलिस को सूचना दी जा रही है। जिला अस्पताल के चिकित्सक डॉ. प्रशांत मेहता ने बताया कि घायल को रात करीब 1:30 बजे अस्पताल लाया गया। उसके शरीर पर 4 से 5 जगह चाकू के घाव मिले हैं। पेट में लगा घाव सबसे गंभीर है, जिसकी गहराई लगभग 1 से 2 इंच है। इसके अलावा पैर और जांघ के पास भी चोटें हैं। डॉक्टर ने बताया कि घायल का उपचार जारी है और फिलहाल वह खतरे से बाहर है।

ग्राम पंचायत मर्दापाल में ऑफ-कैम्पस माध्यम से आयोजित 30 दिवसीय राजमिस्त्री प्रशिक्षण का सफलतापूर्वक समापन

कोंडागांव। एसबीआई आरएसईटीआई, कोण्डागांव द्वारा ऑफकैम्पस माध्यम से ग्राम पंचायत मर्दापाल में आयोजित 30 दिवसीय राजमिस्त्री प्रशिक्षण का सफलतापूर्वक समापन किया गया। यह प्रशिक्षण 13 जून से प्रारंभ हुआ था। प्रशिक्षण के दौरान ग्रामीण युवाओं को भवन निर्माण कार्यों की आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण तकनीकों का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रतिभागियों को ईंट चिनाई, नींव निर्माण, प्लास्टर, आरसीसी कार्य, माप एवं लेवलिंग, गुणवत्ता नियंत्रण, निर्माण कार्यों में सुरक्षा मानकों तथा प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत गुणवत्तापूर्ण आवास निर्माण से संबंधित तकनीकी जानकारी दी गई। समापन समारोह में अतिथियों ने प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि इस प्रकार के कौशल विकास प्रशिक्षण ग्रामीण युवाओं को स्वरोजगार एवं रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के साथ-साथ जिले में गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्यों को भी बढ़ावा देते हैं। प्रशिक्षार्थियों से प्रशिक्षण के दौरान अर्जित कौशल का उपयोग कर आत्मनिर्भर बनने तथा शासन की विभिन्न विकास योजनाओं में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। आरसेटी कोण्डागांव के निदेशक तथा जिला पंचायत कोंडागांव के अधिकारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी सफल प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी गईं।

बाजारपारा का होगा पुनर्विकास विधायक-कलेक्टर ने किया निरीक्षण

कोण्डागांव। बाजारपारा क्षेत्र के सुव्यवस्थित पुनर्विकास को लेकर विधायक लता उसेंडी और कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने निरीक्षण किया। उन्होंने बाजार में उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आम नागरिकों, व्यापारियों और ग्रामीणों की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकास की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान बाजार परिसर में आधुनिक बाजार शेड, बेहतर विद्युत एवं प्रकाश व्यवस्था और वाहनों के लिए सुव्यवस्थित पार्किंग विकसित करने के संबंध में विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने को कहा गया। इस दौरान मनोज जैन, सोनामणि पोयाम, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सचिन गुप्ता और राजस्व विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

राघव मंदिर परिसर में महत्वपूर्ण बैठक संपन्न अक्टूबर-नवंबर में होगी भव्य राम कथा

किरन्दुल। श्रीराम जन कल्याण सेवा समिति बैलाडीला देव स्थान समिति और गायत्री परिवार के संयुक्त तत्वावधान में राघव मंदिर परिसर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति के पदाधिकारी, सेवादार और नगर के श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहें। उपस्थितजनों की गरिमामय उपस्थिति में मंदिर के निर्माणाधीन विकास कार्यों, नगर की सुख-शांति-समृद्धि एवं मंगलकामनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में सर्वसम्मति से कई अहम निर्णय लिए गए।इसके अंतर्गत अक्टूबर-नवंबर 2026 में राघव मंदिर परिसर में भगवान राम कथा का भव्य आयोजन कराने, समिति की आर्थिक आय-व्यय की रूपरेखा प्रस्तुत करने और मंदिर की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने पर सहमति बनी।बैठक की अध्यक्षता राम जन कल्याण सेवा समिति के अध्यक्ष ओंम कुमार साहू ने की।संचालन का दायित्व समिति सचिव ए के सिंह ने निभाया। इस अवसर पर महाराज अवधेशानंद और उनके सहयोगी आचार्यगण, प्रधान पुजारी सत्येन्द्र प्रसाद शुक्ला, राम जन कल्याण सेवा समिति के पदाधिकारी, मंदिर परिसर में कार्यरत विभिन्न समितियों के सदस्य और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। बैठक में लिए गए निर्णयों से श्रद्धालुओं में हर्ष का माहौल है और आगामी राम कथा को लेकर नगर में तैयारियां शुरू कर दी जाएंगी।

पत्नी बोली- रोज शराब पीते हो, अब साथ नहीं रहूंगी कुछ घंटों बाद पति ने खाया जहर, अस्पताल में मौत

कोण्डागांव। कभी-कभी गुस्से में कही गई बातें जिंदगी का सबसे बड़ा हादसा बन जाती हैं। कोण्डागांव जिले के मर्दापाल अंतर्गत मेंडपाल गांव में ऐसा ही एक दर्दनाक मामला सामने आया है। शनिवार को पति-पत्नी के बीच शराब पीने की बात को लेकर विवाद हुआ। नाराज पत्नी मायके चली गई। देर शाम पति उसे मनाने पहुंचा, लेकिन वह वापस नहीं लौटी। इसके कुछ ही घंटों बाद पति ने कथित तौर पर अज्ञात जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां रविवार सुबह उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक रंजीत तिग्गा (45) पिता जॉर्ज तिग्गा निवासी मेंडपाल मर्दापाल की पत्नी सावित्री तिग्गा ने बताया कि रंजीत शराब पीने का आदी था। शनिवार को इसी बात को लेकर पत्नी सावित्री तिग्गा ने उसे फटकार लगाई। विवाद इतना बढ़ा कि सावित्री अपने मायके चली गई। शाम करीब सात बजे रंजीत पत्नी को वापस लाने उसके मायके पहुंचा, लेकिन उसने साथ चलने से इनकार कर दिया। परिजनों ने भी उसे समझाकर वापस भेज दिया। सावित्री के अनुसार रंजीत ने विवाद के दौरान गुस्से में कहा था, तुझे मार दूंगा, नहीं तो मैं खुद मर जाऊंगा। इसके बाद वह वहां से चला गया। अगले दिन सुबह पता चला कि उसने अज्ञात जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया है। परिजन उसे पहले मर्दापाल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां से गंभीर हालत में जिला अस्पताल कोण्डागांव रेफर किया गया। जिला अस्पताल के चिकित्सक डॉ. प्रशांत मेहता ने बताया कि रंजीत को अत्यंत गंभीर और गैस्पिंग अवस्था में अस्पताल लाया गया था। उपचार शुरू होने के करीब आधे घंटे बाद उसकी मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार उसने रात में अज्ञात जहर का सेवन किया था। इस घटना ने एक पूरे परिवार की खुशियां छीन लीं। रंजीत अपने पीछे पत्नी और तीन छोटे बच्चों को छोड़ गया है। एक मामूली घरेलू विवाद ने पूरे परिवार को ऐसी त्रासदी में बदल दिया, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। कोण्डागांव जिला पुलिस मामले की जांच कर रही है। जहर सेवन के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

दशकों का अंधेरा छँटा: 'नियद नेल्लानार योजना' से जगमगाए नारायणपुर के वनांचल गांव

दशकों का अंधेरा छँटा: 'नियद नेल्लानार योजना' से जगमगाए नारायणपुर के वनांचल गांव

नारायणपुर । छत्तीसगढ़ के सुदूर वनांचल में बसे नारायणपुर जिले के ग्राम मोहन्दी और मसपुर के लोगों के लिए साल 2026 की यह गर्मियां एक ऐतिहासिक बदलाव लेकर आईं। दशकों से लालटेन और ढिबरी की मद्धम रोशनी में जिंदगी गुजार रहे इन आदिवासी बाहुल्य गांवों में जब पहली बार बिजली का बल्ब जला, तो ग्रामीणों की आंखें खुशी से छलक उठीं। राज्य सरकार की महत्वाकां'नियद नेल्लानार (आपका अच्छा गांव) योजना' ने इन दुर्गम इलाकों में विकास का नया सवेरा ला दिया है। घने जंगलों, ऊंची पहाड़ियों और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण ग्राम मोहन्दी के मिचिंगपारा, कोडियारपारा व बीचपारा और ग्राम मसपुर के गुडापारा तक बिजली पहुंचाना किसी चुनौती से कम नहीं था। लेकिन जिला प्रशासन और विद्युत विभाग के दृढ़ संकल्प के आगे हर बाधा छोटी साबित हुई। कलेक्टर के कुशल मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड की टीम और निर्माण एजेंसी एम/एस माँ शारदा ने युद्धस्तर पर काम करते हुए समय-सीमा के भीतर इस चुनौतीपूर्ण विद्युत लाइन विस्तार कार्य को सफलता पूर्वक पूरा किया। वनांचल के इन गांवों को रोशन करने के लिए सरकार ने दिल खोलकर बजट स्वीकृत किया। जिसमें ग्राम मोहन्दी में लगभग 61.79 लाख रूपए की लागत से तीनों पाराओं में बिजली का विस्तार किया गया, जिससे सीधे 40 परिवारों को पहली बार बिजली मिली।

संक्षिप्त समाचार

श्री शेख समी उर रहमान ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का पदभार ग्रहण किया

बिलासपुर। श्री शेख समी उर रहमान ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का पद भार आज दिनांक 13 जुलाई' 2026 को डॉ.सुस्कर विपुल विलासराव से ग्रहण किया । पूर्व मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, डॉ.सुस्कर विपुल विलासराव का स्थानांतरण रायपुर रेल मण्डल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के प्रद पर हुआ है । श्री शेख समी उर रहमान 2015 बैच के भारतीय रेलवे यातायात सेवा (IRTS) के अधिकारी है । श्री रहमान इससे पूर्व पूर्वोत्तर रेलवे के बनारस मण्डल में वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक के पद पर कार्यरत थे । श्री रहमान भारतीय रेलवे परिचालन सेवा (आईआरटीएस) के 2015 बैच के अधिकारी है । श्री शेख समी उर रहमान मुख्य जनसंपर्क अधिकारी के पद पर पदस्थापना के पूर्व वे पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के पद पर कार्यरत थे। इससे पूर्व वे सहायक परिचालन प्रबंधक (AOM), मंडल परिचालन प्रबंधक (DOM) तथा वरिष्ठ मंडल सुरक्षा अधिकारी (Sr. DSO) जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं । अपने कार्यकाल के दौरान श्री रहमान ने यात्री सुविधाओं के विस्तार एवं गैर-किराया राजस्व (Non-Fare Revenue) में उल्लेखनीय वृद्धि के लिए अनेक नवाचार किए । उनके नेतृत्व में वाराणसी मंडल ने विभिन्न वाणिज्यिक पहलों के माध्यम से उल्लेखनीय अतिरिक्त राजस्व अर्जित किया, जिसके लिए उन्हें वर्ष 2024 में भारतीय रेल का प्रतिष्ठित अति विशिष्ट सेवा पुरस्कार (Ati Vishisht Seva Puraskar) भी प्राप्त हुआ । मूलत: छत्तीसगढ़ के दुर्ग निवासी श्री रहमान ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (NIT), रायपुर से सूचना प्रौद्योगिकी (Information Technology) में बी.टेक. की उपाधि प्राप्त की है। वर्ष 2016 में संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) की सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से भारतीय रेल यातायात सेवा में चयनित होने के उपरांत उन्होंने 14 दिसंबर 2016 को भारतीय रेल में अपनी सेवाएं प्रारंभ कीं ।

04 करोड़ की डिजिटल अरेस्ट साइबर ठगी में दो और आरोपी गिरफ्तार, अब तक 8 गिरफ्त में

बिलासपुर। बिलासपुर पुलिस ने 82 वर्षीय बुजुर्ग महिला से डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर 1.04 करोड़ की साइबर ठगी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो और आरोपियों को नागपुर से गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई के साथ ही मामले में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या बढ़कर आठ हो गई है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों ने खुद को केंद्रीय जांच एजेंसी का अधिकारी बताकर बुजुर्ग महिला को करीब 2 घंटे 16 मिनट तक वीडियो कॉल पर बंधक जैसी स्थिति में रखा और कानूनी कार्रवाई का डर दिखाकर अलग-अलग बैंक खातों में कुल 1.04 करोड़ ट्रांसफर करा लिए। मामले की गंभीरता को देखते हुए बिलासपुर पुलिस लगातार विभिन्न राज्यों में कार्रवाई कर रही है। पुलिस का कहना है कि पूरे नेटवर्क की जांच जारी है और गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

खूंटाघाट बांध के चौकीदार की पीट-पीटकर हत्या मछली चोरी के विवाद में वारदात; आरोपियों की तलाश तेज

बिलासपुर। रतनपुर थाना क्षेत्र के खूंटाघाट बांध में चौकीदारी करने वाले एक युवक की कथित तौर पर पुरानी रंजिश के चलते पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, मेलनाडीह निवासी श्याम सिंह पोर्ते (40) ने 12 जुलाई को थाना रतनपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह और तीरथ राम यादव खूंटाघाट बांध में चौकीदार के रूप में कार्यरत हैं। शिकायत के मुताबिक, गोलू धीवर और अनिश धीवर पूर्व में बांध से लगातार मछली चोरी करते थे। चोरी का विरोध करने और वीडियो बनाने पर उन्होंने तीरथ राम यादव का मोबाइल फोन तोड़ दिया था। इस मामले में दोनों के विरुद्ध पहले भी प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जा चुकी थी, जिसके बाद से वे तीरथ राम यादव से रंजिश रखते थे। रिपोर्ट के अनुसार, 11 जुलाई की रात श्याम सिंह पोर्ते और तीरथ राम यादव मोटरसाइकिल (छत्त 10 श्वस्त 7425) से मेलनाडीह से खूंटाघाट बांध स्थित नवागांव कैंप जा रहे थे। इसी दौरान नवागांव महुआ डबरी तालाब के पास स्कॉर्पियो वाहन में सवार गोलू धीवर, अनिश धीवर और उनके अन्य साथियों ने कथित रूप से उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे दोनों सड़क पर गिर गए। आरोप है कि इसके बाद गोलू धीवर और अनिश धीवर वाहन से उतरकर आए।

राममंदिर चढ़ावा चंदा चोरी वह निर्माण में अणुव्रत को लेकर कांग्रेस ने किया गया विरोध प्रदर्शन.....

अंबिकापुर । राममंदिर में चढावा और चंदा चोरी और मंदिर निर्माण में आर्थिक अनियमितताओं को लेकर आज जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा ने जिला कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन से श्री राम मंदिर तक आक्रोश रैली निकाल विरोध प्रदर्शन किया। उल्लेखनीय है कि सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद केन्द्र की मोदी सरकार के द्वारा नामित ट्रस्ट के द्वारा अयोध्या स्थित श्री रामलला के मंदिर का निर्माण किया जा रहा है। इस ट्रस्ट में मौजूद सभी लोग राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिन्दु परिषद के पृष्ठभूमि से हैं। इस मंदिर के निर्माण हेतु भूमि अधिग्रहण से लेकर निर्माण में कमीशन और अब चढावा के सैकडो करोड रुपय की चोरी के आरोप इस ट्रस्ट पर लगे हैं। पूर्व में भी राममंदिर आन्दोलन के दौरान संघ परिवार पर मंदिर निर्माण के चंदे के 1400 करोड रुपय की राशि के घोटाले का आरोप लगा है। उत्तरप्रदेश की सरकार के द्वारा गठित एस0आई0टी0 ने मंदिर में चढावा चोरी की पुष्टी भी की है। निश्चित तौर पर प्रभु श्री राम के मंदिर के आड में संघ परिवार के द्वारा किये गये आर्थिक और राजनैतिक घोटाले से देश में हिंदु धर्मावलंबियों की आस्था को चोट पहुँचा है। प्रभु श्री राम न केवल इस देश के हिंदु धर्मावलंबियों साथ ही इस देश की 140 करोड की आबादी के प्रेरणास्त्रोत हैं। संघ परिवार के इस कदम से इन सभी की आस्था को चोट पहुँचा है। इसके विरोध में आज प्रदेश कांग्रेस कमेटी के द्वारा प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन का निर्णय लिया गया था। इसी तारतम्य में सरगुजा जिला कांग्रेस कमेटी ने राजीव भवन से राममंदिर तक आक्रोश रैली निकाल विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री टी0 एस0 सिंहदेव ने कहा कि यह लोगों की आस्था पर अक्ष्म्य कुठाराघात है। चढावा के चोरी की जबाबदेही सीधे उन लोगों की है जो श्री रामलला मंदिर के प्रबंध में थे और जिन लोगों ने उन्हें वहां बैठाया। यह समस्त प्रबंधन संतो और गुरुजनो को एवं ऐसे स्वतंत्र लोगों को दे देना चाहिये जो आम लोगों की आस्था के प्रति जवाबदेह हों। प्रबंधन में संघ का कब्जा स्वीकार नहीं है। संघ परिवार की मंशा सभी मंदिरों का प्रबंधन हडपने की है जो कतई स्वीकार नहीं है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष श्री बालकृष्ण पाठक ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के चंदा चोरों को भगवान सद्बुद्धी दे। उन्होंने कहा कि संघ परिवार के गतल कृत्य से राममंदिर प्रांगण अपवित्र हो गया है। सभी धर्माचार्यों को मंदिर के पवित्रता और पुन: प्राणप्रतिष्ठा के लिये कार्य करना चाहिये।

ग्राम पंचायत जुनवानी में दशहरा खेल मैदान पर अवैध कब्जे की कोशिश....

लखनपुर। लखनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत जुनवानी के दशहरा खेल मैदान पर अवैध तरीके से कब्जा करने की नियत से जुतायी करने का मामला सामने आया है जहाँ उक्त भूमि पर ट्रेक्टर से जुतायी कर खेती करने का प्रयास ग्राम के ही एक व्यक्ति द्वारा किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है की उक्त व्यक्ति ग्राम का ही निवासी है तथा एक एनजीओ में कार्य करता है जो की खेल मैदान को अपनी निजी संपत्ति बता अवैध कब्जा करते हुए जबरदस्ती खेती करने का प्रयास कर रहा है। ग्रामीण द्वारा ज़मीन की जुतायी किए जाने के बाद अब पंचायत के ग्रामीण मामले में आक्रोशित नजर आ रहे हैं जिसके बाद अब इस मामले में ग्रामीणों का जबरदस्त विरोध देखने को मिल रहा है। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि युवाओं और बच्चों के द्वारा खेल मैदान तथा प्रत्येक वर्ष रावण दहन कार्यक्रम सहित अन्य गतिविधियों के लिए किया जाता है। जिसके बाद मैदान की जुतायी करने से खेल अब अन्य गतिविधियां पूरी तरह से बाधित हो गई हैं। आपको बता दें कि नवापारा जुनवानी स्थित यह मैदान वर्षों से ग्रामीण संस्कृति और सामाजिक तथा धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन का केंद्र रहा है तथा लंबे समय से इस मैदान में रावण दहन सहित विशाल दशहरे मेले का आयोजन भी किया जाता रहा है जिसके बाद अब इस मैदान पर अतिक्रमण होने से ग्रामीणों की भावनाएं आहत हुई हैं। ग्रामीण कह रहे हैं कि यह एक सार्वजनिक और ग्राम पंचायात की संपत्ति है और इसे निजी बताकर इसपर अतिक्रमन करना सरासर गलत है जिसमे प्रशासन को संज्ञान लेना चाहिए तथा दोषि के विरुद्ध कार्यवाही की जानी चाहिए। आक्रोशित ग्रामवासियों ने मामले में जिला प्रशासन द्वारा तुरंत संज्ञान लेते हुए मैदान को पूर्ववत किये जाने और दोषी व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही किए जाने की माँग की है

राजमाता स्वर्गीय देवेंद्र सिंह देव की 93 वी जयंती पर दी गई श्रद्धांजलि

अंबिकापुर। राजमाता स्व0 श्रीमति देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव जी की 93 वी जयंती पर आज जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में उन्हें श्रद्धांजली दी गई। इस दौरान उनके ज्येष्ठ पुत्र पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं सरगुजा रियासत के महाराज श्री टी0एस0 सिंहदेव भी उपस्थित थे। राजमाता स्व श्रीमति देवेंद्र कुमारी सिंह देव जी का जन्म 13 जुलाई 1933 को हिमाचल प्रदेश के जुब्बल राजपरिवार में हुआ था। अविभाजित मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव एवं सरगुजा महाराज स्व. एमएस सिंह देव से विवाह के बाद वे सरगुजा आई थीं। सरगुजा में उन्होंने पूरा वक्त बिताया। यहीं से उन्होंने राजनीति की शुरुआत भी की थी। कांग्रेस की राष्ट्रीय नेत्री स्व. देवेंद्र कुमारी सिंह देव एक बार अंबिकापुर व एक बार बैकुंठपुर से विधायक भी रहीं। अविभाजित मध्य प्रदेश में प्रकाशचंद्र सेठी व अर्जुन सिंह के मंत्री मंडल की वे मंत्री रहीं। उन्हें आवास, पर्यावरण, मध्यम सिंचाई, वित्त विभाग की जवाबदारी दी गई थी। महाराज स्व0 एम0एस0 सिंहदेव के शासकीय सेवा में होने के कारण उन्होंने सरगुजा जिले की सभी राजनैतिक और समाजिक जिम्मेदारियों को सम्हाल लिया था। वे सरगुजा जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष भी रही। सत्तर और अस्सी के दशक में एक महिला होने के बावजूद इस दौरान उन्होंने तत्कालीन सरगुजा जिले के चप्पे-चप्पे का दौरा कर औपचारिक रुप से कांग्रेस के मजबूत संगठन की आधारशिला रखी थी। राजीव भवन में श्रद्धॉजली के पूर्व प्रतीक्षा बस स्टैण्ड चौक पर पूर्व महाराज स्व0 एम0एस0 सिंहदेव एवं स्व0 राजमाता श्रीमति देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव के युगल प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया।

14 जुलाई को होगा प्रभु श्री जगन्नाथ महा प्रभु का नेत्रोत्सव एवं नवयौवन दर्शन.....

अंबिकापुर । जगन्नाथ मंदिर सेवा समिति, अम्बिकापुर द्वारा भगवान श्री जगन्नाथ महाप्रभु की विश्वविख्यात रथ यात्रा महोत्सव के अंतर्गत 14 जुलाई को प्रात: 4:00 बजे नेत्रोत्सव एवं नवयौवन दर्शन का भव्य आयोजन किया जाएगा। इसी समय भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं माता सुभद्रा के नेत्रोत्सव पूजन के उपरांत श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ मंदिर के पट खोल दिए जाएंगे। अनसर (विश्राम) काल पूर्ण होने के बाद भक्तों को भगवान के नवीन, तेजस्वी एवं दिव्य स्वरूप के प्रथम दर्शन का दुर्लभ सौभाग्य प्राप्त होगा। सनातन परंपरा के अनुसार स्नान पूर्णिमा के दिन भगवान श्री जगन्नाथ महाप्रभु का महाअभिषेक होने के पश्चात उन्हें ज्वर (बीमार) आने की मान्यता है। इसके बाद वे लगभग पंद्रह दिनों तक अनसर गृह में विश्राम करते हैं, जहाँ उनके दर्शन सामान्य श्रद्धालुओं के लिए बंद रहते हैं। इस अवधि में पारंपरिक औषधीय सेवा एवं उपचार किया जाता है। स्वास्थ्य लाभ के उपरांत भगवान पुन: नवयौवन से युक्त दिव्य स्वरूप में भक्तों को दर्शन देते हैं, जिसे नेत्रोत्सव एवं नवयौवन दर्शन कहा जाता है। नेत्रोत्सव एवं नवयौवन दर्शन के शुभ अवसर पर उड़ीसा से पधारे विद्वान पुजारी पंडित श्री शंभूनाथ पांडा जी द्वारा भगवान श्री जगन्नाथ महाप्रभु, भगवान बलभद्र एवं माता सुभद्रा की वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भव्य पूजा-अर्चना, विशेष अनुष्ठान एवं महाआरती संपन्न कराई जाएगी। समिति ने बताया कि 16 जुलाई को भगवान श्री जगन्नाथ महाप्रभु की भव्य रथ यात्रा श्री जगन्नाथ मंदिर मार्ग (तिवारी बिल्डिंग) से प्रारंभ होकर जोड़पीपल, आकाशवाणी चौक, गांधी चौक, घड़ी चौक, देवीगंज रोड, संगम चौक, ब्रह्म रोड, राममंदिर रोड, जय स्तंभ चौक, महामाया चौक होते हुए पुन: संगम चौक से दुर्गा बाड़ी तक पहुंचेगी। मार्ग में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संगठनों द्वारा प्रभु की आरती, पुष्पवर्षा एवं भव्य स्वागत किया जाएगा। जगन्नाथ मंदिर सेवा समिति एवं उत्कल समाज ने समस्त श्रद्धालुओं एवं धर्मप्रेमी नागरिकों से आग्रह किया है कि वे 14 जुलाई को प्रात: 4:00 बजे नेत्रोत्सव एवं नवयौवन दर्शन तथा 16 जुलाई को आयोजित भव्य रथ यात्रा में सपरिवार उपस्थित होकर महाप्रभु का आशीर्वाद प्राप्त करें और इस ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन को सफल बनाएं।

भू-जल संवर्धन की दिशा में जिलेभर में व्यापक पहल

बलरामपुर। जल ही जीवन का आधार है और आने वाली पीढ़ियों के लिए इसकी सुरक्षा आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इसी सोच को साकार करते हुए जिले में कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन में सभी विकासखंडों में जल संचयन एवं जल स्त्रोतों के संरक्षण की दिशा में 5 प्रतिशत जल संरक्षण मॉडल के अंतर्गत व्यापक स्तर पर कार्य किए गया है। जिले में विशेष जनजागरूकता अभियान चलाकर ग्रामीणों को अपने खेतों में मॉडल जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण करने के लिए प्रेरित किया गया। प्रशासन और ग्रामीणों की सहभागिता से बड़ी संख्या में किसानों ने अपने खेतों में जल संरक्षण के मॉडल स्ट्रक्चर तैयार किया, जिससे वर्षा जल का अधिकतम संचयन सुनिश्चित हो रहा है। जिले के सभी विकासखंडों में स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप जल संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन के विभिन्न कार्य किया गया है। खेतों, नालों, सार्वजनिक स्थलों तथा जल निकासी वाले क्षेत्रों में ऐसी संरचनाएं विकसित की गई हैं, जिनसे वर्षा का पानी बहकर व्यर्थ जाने के बजाय भूमि के भीतर समाहित हो रहा है। इससे भू-जल स्तर में सुधार की संभावनाएं बढ़ रही हैं और प्राकृतिक जल स्रोतों को भी नया जीवन मिल रहा है। अभियान के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों, मैदानी अमले और जनप्रतिनिधियों ने गांव-गांव पहुंचकर किसानों को जल संरक्षण के महत्व से अवगत कराया। ग्रामीणों को बताया गया कि यदि प्रत्येक खेत में वर्षा जल को रोकने और जमीन में उतारने की व्यवस्था की जाए, तो भविष्य में सिंचाई और पेयजल की समस्या काफी हद तक कम की जा सकती है। किसानों ने भी इस पहल को उत्साहपूर्वक अपनाते हुए अपने खेतों में मॉडल स्ट्रक्चर का निर्माण कराया। 5 प्रतिशत मॉडल का उद्देश्य केवल वर्षा जल का संग्रह करना नहीं, बल्कि जल संरक्षण को जनभागीदारी का अभियान बनाना है। इस पहल से वर्षा जल का संचयन बढ़ रहा है, भू-जल स्तर में सुधार होगा और कुएं, हैंडपंप तथा नलकूप लंबे समय तक जलयुक्त रहेंगे। किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध होगा, दोहरी फसल का लाभ ले सकेंगे। जिससे कृषि उत्पादन बढ़ेगा और सूखे की स्थिति में भी खेती को सहारा मिलेगा। साथ ही पर्यावरण संरक्षण, हरियाली में वृद्धि, जैव विविधता के संवर्धन तथा ग्रामीण आजीविका को भी दीर्घकालिक लाभ मिलेगा।

महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने बिलासपुर रेलवे हायर सेकेंडरी स्कूल का किया गया निरीक्षण.....

- विद्यार्थियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन पर किया सम्मानित,
- पुस्तकालय में अमर चित्र कथा पुस्तक भेंट की तथा
- निर्माणाधीन शैक्षणिक सुविधाओं का लिया जायजा

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश द्वारा आज दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे हायर सेकेंडरी स्कूल नंबर 1 का विस्तृत एवं सूक्ष्म निरीक्षण कर विद्यालय की शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों का अवलोकन किया। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य विद्यालय की मौजूदा व्यवस्थाओं का जायजा लेना और बच्चों को मिल रही शैक्षणिक सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ करना था । निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक महोदय ने स्कूल के विभिन्न क्लासरूम, प्रयोगशालाओं और परिसर का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने बच्चों के शैक्षणिक विकास (Educational Development) पर विशेष जोर देते हुए स्कूल प्रबंधन और शिक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। महाप्रबंधक ने कहा कि बच्चों को आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलनी चाहिए, ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके । निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने खेल, शिक्षा एवं विभिन्न सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेल एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियाँ विद्यार्थियों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं । इस दौरान उन्होने विद्यार्थियों में पढ़ने की आदत को बढ़ावा देने और उन्हें भारत के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति व महापुरुषों की कहानियों से जोड़ने के उद्देश्य से महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश द्वारा विद्यालय के पुस्तकालय (Library) को 'अमर चित्र कथा' की पुस्तकें भेंट की गई । महाप्रबंधक ने विद्यालय परिसर में निर्माणाधीन आधुनिक प्रयोगशाला तथा नए स्कूल भवन का भी स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप एवं समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थियों को शीघ्र ही बेहतर शैक्षणिक सुविधाओं का लाभ मिल सके। इस दौरान महाप्रबंधक द्वारा स्कूल परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण जागरूकता का संदेश भी दिया गया । इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी श्रीमती दर्शनीता अहलूवालिया, प्रधान मुख्य अभियंता श्री ए. के. पाण्डेय, प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता श्री आर. के. चौधरी, अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री जे. सी. मीना सहित मुख्यालय एवं मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी व स्कूल के प्राचार्य एवं शिक्षकगण मुख्य रूप से उपस्थित रहे ।

आर्थिक परेशानियों का संकेत हैं ये सपने

सपनों को भविष्य में होने वाली कुछ घटनाओं के संकेत के रूप में भी देखा जाता है। मान्यता है कि व्यक्ति को सपनों के माध्यम से शुभ और अशुभ संकेत मिलते हैं। सपने में कुछ खास चीजें दिखाई दें, तो वे आने वाले समय में आर्थिक चुनौतियों का संकेत हो सकती हैं। ऐसे संकेतों को समझना जरूरी हो जाता है, ताकि व्यक्ति समय रहते आर्थिक मामलों में सावधानी बरत सके। जानिए किस तरह के संकेत आने वाले आर्थिक समस्याओं या धन हानि की तरफ इशारा करते हैं।

पानी का बह जाना

अगर सपने में लगातार बहता हुआ पानी दिखाई दे या ऐसा महसूस हो कि धन हाथ से निकल रहा है, तो स्वप्न शास्त्र में इसे अचानक बढ़ने वाले खर्च या आर्थिक हानि का संकेत माना गया है। ऐसी स्थिति में धन का सही प्रबंधन करना और अनावश्यक खर्चों से बचना लाभदायक माना जाता है। ऐसे सपने बार-बार दिखाई दे, तो इन्हें सतर्क रहने और आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लेने की सलाह दी जाती है।

धुंधला या अंधेरा रास्ता

सपने में धुंधला या अंधेरे से भरा रास्ता दिखाई देना इस बात का संकेत माना जाता है कि जल्दबाजी में लिया गया कोई आर्थिक फैसला नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए किसी भी बड़े निवेश, साझेदारी या वित्तीय निर्णय से पहले सभी पहलुओं पर विचार करना जरूरी माना जाता है।

बिखरे पैसे या खाली तिजोरी

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, अगर सपने में नोट या सिक्के इधर-उधर बिखरे हुए दिखाई दें, तो यह अनावश्यक खर्च बढ़ने का संकेत होता है। वहीं सपने में खाली तिजोरी, अलमारी या खाली पर्स दिखाई देना भी भविष्य में आर्थिक तंगी की ओर इशारा करता है। ऐसे समय में फिजूलखर्ची से बचने, बजट बनाकर चलने और किसी भी निवेश से पहले अच्छी तरह सोचने की सलाह दी जाती है।

सोना या गहने खोना

अगर सपने में सोना, चांदी या अन्य कीमती आभूषण खोते हुए दिखाई दें, तो इसे धन या मूल्यवान वस्तुओं के नुकसान का संकेत माना जाता है। ऐसी स्थिति में अपनी आर्थिक योजनाओं पर विशेष ध्यान देना और लेनदेन के मामलों में सतर्क रहना बेहतर माना जाता है।

बाथरूम में रखी ये चीजें पैदा कर सकती हैं वास्तु दोष

वास्तु शास्त्र की मानें तो बाथरूम घर का वह स्थान है जहां नकारात्मक ऊर्जा सबसे अधिक रहती है। इसलिए बाथरूम को हमेशा साफ रखना चाहिए। साथ ही बाथरूम में रखी कुछ चीजें भी वास्तु दोष का कारण बन सकती हैं। ये चीजें कौन-कौन सी हैं और इनके होने से क्या दिक्कतें जीवन में आ सकती हैं आइए जानते हैं।

बाथरूम में आपको कभी भी गिले कपड़े नहीं रखने चाहिए। कई लोगों की आदत होती है कि कपड़ों को बाथरूम में गिला छोड़कर रख देते हैं। वास्तु की मानें तो ऐसा करने से सूर्य की ऊर्जा प्रभावित होती है और भाग्य आपसे रूठ सकता है। इसलिए आप भी यह गलती करने से बचें ताकि सूर्य की सकारात्मक ऊर्जा आपको मिल सके।

बाथरूम के ड्रेन एरिया या फ्लोर पर पड़े बाल भी आपके जीवन में परेशानियों का कारण बन सकते हैं। इससे वास्तु दोष पैदा हो सकता है और साथ ही शनि का बुरा प्रभाव भी आप पर पड़ सकता है। इसलिए बाथरूम में पड़े बालों को आपको हर रोज साफ कर देना चाहिए।

आपको बाथरूम में कभी भी टूटा हुआ या दरार वाला शीशा नहीं रखना चाहिए ऐसा शीशा शुभ नहीं माना जाता। वास्तु की मानें तो ऐसा करने से आपको सेहत से जुड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

बाथरूम में रखी बाल्टी को कभी भी खाली आपको नहीं रखना चाहिए। ऐसा करने से आर्थिक परेशानियां आपके जीवन में पैदा हो सकती हैं। इसलिए कभी भी

खाली बाल्टी आपको अपने बाथरूम में नहीं रखनी चाहिए। इसके साथ ही आपको बाथरूम के साथ ही घर के सभी नलों पर भी ध्यान देना चाहिए, घर के नल अगर टपक रहे हैं तो उन्हें तुरंत ठीक करवाना चाहिए। टपकते हुए नल आपकी आर्थिक स्थिति को खराब कर सकते हैं। कुछ चीजों जो अक्सर लोग बाथरूम में जमा करके रख देते हैं वो भी वास्तु दोष का कारण बन सकती है।

बारिश के गंदे पानी में चलने से हो सकते हैं बीमार

बारिश के मौसम में बारिश के गंदे पानी के बीच से चलना हमारी मज़बूरी होती है। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि सड़क पर जमा पानी सिर्फ बारिश का पानी नहीं होता। इसमें नाली का पानी, मिट्टी, कचरा, जानवरों का मल-मूत्र, केमिकल्स और बैक्टीरिया मिल सकते हैं। इस तरह का पानी आपके सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। ऐसे पानी के संपर्क में आने से कई बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे में बचाव बेहद ज़रूरी है, बचाव के लिए क्या करें?

बारिश के पानी में चलने से कौन सी समस्याएं होती हैं?

अगर आपके पैरों में कट, छाले, या कोई घाव हो है तो बारिश के पानी में चलने से इन घावों के जरिए शरीर में इंफेक्शन पहुंच जाता है। जिस वजह से स्किन इंफेक्शन, फंगल इंफेक्शन और कुछ मामलों में लेप्टोस्पायरोसिस जैसी गंभीर बीमारी का खतरा हो सकता है। लेप्टोस्पायरोसिस मानसून मे होने वाली एक गभीर बीमारी है, जो खराब पानी या मिट्टी के संपर्क में आने से फैलती है। यह बीमारी बारिश के पानी में संक्रमित जानवरों के यूरिन की वजह से होती है। इस बीमारी में अक्सर बुखार, शरीर दर्द, आंखों में लालपन, सिरदर्द, उल्टी, पीलिया जैसी सेहत से जुड़ी समस्याएं होने लगती हैं। बारिश के पानी के अंदर कांच, लोहे के टुकड़े, गड्ढे या बिजली के तार भी हो सकते हैं और ये चीजें पैरों में चोट लगने, गिरने या करंट की वजह बन सकती हैं

घर पहुंचने के बाद करें ये काम:

<u>तुरंत बदलें गीले कपड़े और जूते :</u> बारिश के पानी से आने के बाद गीले कपड़े और जूते बदलें। पानी और साबुन से अपना हाथ और पैर धोएं। नाखूनों और एड़ी को अच्छी तरह साफ करें, क्योंकि इन्हीं जगहों पर फंगल इंफेक्शन जल्दी होता है।

<u>एंटीसेप्टिक लगाएं :</u> अगर त्वचा पर कोई कट, खरोंच या छाला दिखे, तो घाव को खुला और गीला न छोड़ें उसे साफ पानी से धोकर एंटीसेप्टिक लगाएं। अगर घाव में सूजन , दर्द महसूस हो तो डॉक्टर से सलाह लें।

<u>वाटरप्रूफ शूज का इस्तेमाल :</u>

बारिश के मौसम में आप चप्पल या सैंडल की जगह वाटरप्रूफ शूज़ या गम्बूट्स पहनें। या फिर आप बाहर जाने के लिए बरसाती चप्पल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष राशि - परिवार की चिंता रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। थकान रहेगी। पिता का स्वास्थ्य संतोष देगा। अहंकार के भाव मन में न आने दें। व्यापार में नई योजनाओं से लाभ होगा। आर्थिक स्थिति संतोषप्रद रहेगी।

वृषभ राशि - धनागम होगा। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें। नौकरी में ऐच्छिक स्थानांतरण एवं पदोन्नति के योग हैं। स्वाध्याय के महत्व को समझें। संतान को अपने कार्यों में सफलता मिल सकेगी।

मिथुन राशि - स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। कार्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं से मन अशांत रहेगा। स्वार्थ एवं भोग की प्रवृत्ति के कारण अधिक प्रतिष्ठा प्राप्त नहीं कर पाएंगे। आर्थिक लाभ और आय में वृद्धि के संकेत हैं। शिक्षा, तकनीक और निवेश से जुड़े कार्यों में सफलता मिलेगी।

कर्क राशि - व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। विवाद न करें। दुःखद समाचार मिल सकता है। लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। शत्रु से सतर्क रहें। काम के प्रति लापरवाही न करें, किसी बात पर मतभेद की संभावना है। लव लाइफ में साथी के साथ रोमांटिक पल व्यतीत करेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और आप मन से भी काफी प्रसन्न रहेंगे। कल आपका आत्मविश्वास बहुत ऊंचा रहेगा।

सिंह राशि - प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। सुख के साधन जुटेंगे। शत्रु परास्त होंगे। सुखवृद्धि एवं पारिवारिक उन्नति होगी। आर्थिक योजनाओं में धन का निवेश हो सकता है। पड़ोसियों से किसी बात पर मतभेद की संभावना है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। परिवार, बच्चों की शिक्षा और धार्मिक गतिविधियों से जुड़ी खुशखबरी मिल सकती है।

कन्या राशि - वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। मान बढ़ेगा। धनार्जन होगा। थकान रहेगी। रचनात्मक कार्य में मन लगेगा। अपना व्यवहार संयमित रखकर काम करें। मानसिक बेचैनी रहेगी। मित्रों की मदद से समस्या का समाधान हो सकेगा। समय का सदुपयोग होगा।आप भविष्य की सुखद योजनाओं पर चर्चा कर सकते हैं। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा और आप अपने मित्रों के साथ एक खुशनुमा दिन बिताएंगे।

तुला राशि-दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। संपत्ति, निवेश और व्यावसायिक सौदों में लाभ के योग हैं। बुद्धिमानी से लिए गए निर्णय आपको सफलता दिलाएंगे।आपके पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी लव लाइफ में साथी के साथ तालमेल बहुत ही सुंदर रहेगा और आपसी प्रेम गहरा होगा। स्वास्थ्य के लिहाज से दिन अच्छा है, ऊर्जा का स्तर ऊंचा बना रहेगा। कल कार्यक्षेत्र में आपकी पहचान एक कुशल रणनीतिकार के रूप में बनेगी।

वृश्चिक राशि - फालतू खर्च होगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें। पुराना रोग उभर सकता है। कुसंगति से हानि होगी। अनसोचे कार्य होंगे। दांपत्य जीवन में मनमुटाव हो सकता है। पारिवारिक समस्याएं सूझबूझ से निपटाएं। कार्य में सहयोग मिलेगा। सामाजिक मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मेहनत का सकारात्मक फल मिलेगा। तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे और आपके रुके हुए कार्य गति पकड़ेंगे। बिजनेस में कोई बड़ा सौदा फाइनल हो सकता है, जो भविष्य के लिए लाभकारी रहेगा। लव लाइफ में साथी के साथ आपका रिश्ता और भी गहरा होगा।

धनु राशि- पुराना रोग उभर सकता है। बेचैनी रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। व्यापारिक गोपनीयता भंग न करें। पूंजी निवेश लाभकारी रहेगा। व्यापार की चिंता रहेगी। आपसी विचार-विमर्श लाभप्रद रहेगा। आशानुरूप स्थिति बनेगी।स्वास्थ्य में पेट या पाचन से जुड़ी समस्याओं के प्रति सचेत रहें और हल्का भोजन लें। कल आपको धैर्य रखने की बहुत अधिक आवश्यकता है। शांत रहकर ही आप मुश्किलों को पार कर पाएंगे। विवादों से दूर रहना आपके हित में रहेगा।

मकर राशि - नए अनुबंध हो सकते हैं। व्यवसाय ठीक चलेगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक तनाव से मन परेशान रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लाभ में कमी आ सकती है। उचित मार्गदर्शन लेना जरूरी होगा। प्रमाद न करें।आप दोनों एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करेंगे। स्वास्थ्य की दृष्टि से दिन सामान्य है, बस नियमित खान-पान का ध्यान रखें। कल आप अपने कार्यों के प्रति काफी सजग रहेंगे।

कुंभ राशि- धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी। धनार्जन होगा। प्रसन्नता रहेगी। यश, प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग हैं। मनोरंजन के अवसर उपलब्ध होंगे। अनसोचे कामों में हाथ नहीं डालें। कामकाज की जिज्ञासा बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। स्वास्थ्य में सुधार आएगा और आप नई स्फूर्ति का अनुभव करेंगे। रोगों और शत्रुओं पर विजय दिलाने में मददगार साबित होगा। करियर में पुरानी मेहनत का फल मिलेगा कल का दिन कठिन कार्यों को समय पर पूरा करने के लिए उपयुक्त है।

मीन राशि- व्यापार में लाभ होने के योग हैं। धार्मिक कामों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी से विवाद हो सकता है। अपनी स्थिति, योग्यता के अनुरूप कार्य करें। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम न लें। झंझटों में न पड़ें। आय में कमी होगी। आपके रचनात्मक विचारों की प्रशंसा होगी बिजनेस में कोई बड़ा लाभ मिल सकता है, बशर्ते आप सही योजना बनाएं। लव लाइफ में साथी के साथ हल्की-फुल्की नोकझोंक हो सकती है, लेकिन प्रेम बना रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

आसानी से पा सकते हैं गर्दन दर्द से छुटकारा

सुबह सोकर उठने के बाद गर्दन में तेज दर्द होना एक आम समस्या है। ज्यादातर लोगों के साथ ये समस्या होती है। अक्सर गलत पोजीशन में सोने, मोटे तकिये का इस्तेमाल करने या रातभर गर्दन में अकड़न आने के कारण ऐसा होता है। गर्दन का दर्द पूरे दिन के मूड और काम को प्रभावित कर सकता है। अगर आप भी रोज सुबह इस दर्द से परेशान रहते हैं, तो दवाइयां खाने के बजाय योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। योग न केवल गर्दन की मांसपेशियों को स्ट्रेच करता है, बल्कि वहां ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाकर दर्द से तुरंत राहत दिलाता है।

1. मार्जरीआसन

यह आसन रीढ़ की हड्डी और गर्दन की मांसपेशियों के लिए एक बेहतरीन स्ट्रेच है। अपने दोनों हाथों और घुटनों के बल जमीन पर आ जाएं। सांस लेते हुए अपनी गर्दन को ऊपर उठाएं और पीठ को नीचे की ओर झुकाएं। फिर सांस छोड़ते हुए गर्दन को नीचे लाएं और ठुड्डी को छाती से लगाने का प्रयास करें। यह गर्दन और पीठ की जकड़न को खोलता है और लचीलापन बढ़ाता है।

2. बालासन

तनाव और थकान को दूर करने के लिए यह एक बहुत ही आरामदायक आसन है। घुटनों के बल बैठ जाएं और अपने कूल्हों को एड़ियों पर टिकाएं। अब सांस छोड़ते हुए आगे की ओर झुकें और अपने सिर को जमीन से छुएं। हाथों को आगे की ओर फैलाकर रखें। यह गर्दन, कंधों और पूरी पीठ को गहरा आराम देता है, जिससे सुबह का दर्द कम होता है।

3. भुजंगासन

यह आसन कंधों और गर्दन की जकड़न को दूर करने के लिए बेहद फायदेमंद है।

इसके लिए पेट के बल सीधे लेट जाएं। अपने दोनों हाथों को कंधों के पास रखें। अब सांस लेते हुए शरीर के अगले हिस्से को ऊपर उठाएं और गर्दन को पीछे की ओर मोड़ने की कोशिश करें। कुछ सेकंड रुकें, फिर सामान्य स्थिति में आ जाएं।यह गर्दन की मांसपेशियों को मजबूत करता है और पोस्चर में सुधार लाता है।

4. ग्रीवा संचालन

अगर आपके पास समय की कमी है, तो आप बिस्तर पर बैठे-बैठे ही इसे कर सकते हैं। सुखासन में बैठ जाएं। अपनी गर्दन को धीरे-धीरे पहले क्लॉकवाइज (घड़ी की सुई की दिशा में) और फिर एंटी-क्लॉकवाइज घुमाएं। इसके बाद गर्दन को दाएं-बाएं और ऊपर-नीचे स्ट्रेच करें। इससे गर्दन की नसों का खिंचाव दूर होता है और तुरंत राहत मिलती है।

बारिश की सोंधी महक क्यों पसंद करते हैं लोग ?

तपती गर्मी के बाद जब बारिश की पहली बूंदें सूखी धरती पर गिरती हैं, तो मिट्टी से आने वाली वह सोंधी खुशबू सीधा दिल को सुकून पहुंचाती है। हम सभी को यह महक बहुत पसंद होती है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि यह खुशबू आखिर आती कहां से है? आपको जानकर हैरानी होगी कि यह सिर्फ एक सुखद अहसास नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक बेहद रोचक वैज्ञानिक कारण छिपा है।

क्या है सोंधी महक का राज?

जब मिट्टी लंबे समय तक सूखी रहती है, तो उसमें दो अहम चीजें काम कर रही होती हैं:

पौधों का नेचुरल ऑयल: सूखे के मौसम में पौधों से निकलने वाले कुछ नेचुरल ऑयल मिट्टी में जमा हो जाते हैं।

सूक्ष्म जीव: मिट्टी के अंदर 'एक्टिनोमाइसीट्स' नाम के विशेष सूक्ष्म जीव रहते हैं। ये नेचुरल ऑयल और सूक्ष्म जीव आपस में मिलकर एक खास कंपाउंड तैयार करते हैं, जिसे वैज्ञानिक भाषा में 'जिओस्मिन' कहा जाता है। जब बारिश की बूंदें जमीन पर गिरती हैं, तो यह 'जिओस्मिन' हवा में बहुत ही सूक्ष्म कणों के रूप में चारों तरफ फैल जाता है। हवा में तैरते हुए जब ये कण हमारी सांसों तक पहुंचते हैं, तो हमें वही चिर-परिचित सोंधी महक महसूस होती है। विज्ञान में इस पूरी प्रक्रिया और बारिश की इस खास खुशबू को 'पेट्रिकोर' का नाम दिया गया है।

सुकून के साथ जरूरी है थोड़ी सावधानी

यूं तो बारिश की यह खुशबू मन को बहुत शांति देती है, लेकिन बारिश के शुरुआती दिनों में हवा में कुछ ऐसे तत्व भी बढ़ जाते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं।

डॉक्टर की सलाह

बारिश का मौसम प्रकृति का एक खूबसूरत तोहफा है, इसलिए इसका पूरा लुत्फ उठाएं, लेकिन अपने शरीर के संकेतों को भी पहचानें। अगर बारिश के मौसम में आपको सांस लेने में कोई तकलीफ महसूस हो, लगातार छींकें आएं या एलर्जी के लक्षण बढ़ते हुए दिखे, तो इसे बिल्कुल भी नजरअंदाज न करें और तुरंत किसी डॉक्टर से सलाह लें।

चावल का पानी या राइस स्टार्च क्या होता है?

जब चावल को पतीले या किसी खुले बर्तन में उबाला जाता है, तब एक गाढ़ा सा पानी बचता है। इस पानी में चावल के कार्बोहाइड्रेट, विटामिन्स और कुछ मिनरल्स आ जाते हैं। इसे ही चावल का पानी या स्टार्च कहा जाता है। चूंकि इसमें कार्बोहाइड्रेट की मात्रा सबसे ज्यादा होती है, इसलिए ये शरीर को तुरंत एनर्जी देने का काम करता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो इसे यदि फर्मेंट करने के बाद कंज्यूम किया जाए, तो फायदा और भी बढ़ जाता है।

बहुत ही पुराने टाइम से लोग चावल के पानी या माड़ को अपनी डाइट में शामिल करते आ रहे हैं। ऐसा माना जाता है कि यदि किसी को कमजोरी हो, दस्त या पेट खराब होने की शिकायत हो या भूख ठीक से ना लगती हो तो चावल का माड़ पिलाना फायदेमंद होता है। जो लोग बीमारी से उबर रहे हों या तबियत खराब होने पर कुछ हल्का और आसानी से पचने वाला खाना हो, तो चावल का पानी अच्छा विकल्प हो सकता है। यही नहीं, इसे स्किन के लिए भी काफी फायदेमंद माना जाता है। खासकर कोरियन स्किन केयर रूटीन में आज भी राइस स्टार्च एक बहुत जरूरी हिस्सा है।

हेल्थ एक्सपर्ट्स की माने तो चावल का पानी कोई सुपरफूड नहीं है, लेकिन हां, अगर सीमित मात्रा में पीया जाए तो इसके कुछ हेल्थ बेनिफिट्स हो सकते हैं। खासकर पेट खराब होने पर या डायरिया से रिकवरी के दौरान, इसका सेवन फायदेमंद हो सकता है। गर्मियों में शरीर को डिहाइड्रेशन से बचाने के लिए भी ये अच्छी ड्रिंक है। इसके अलावा ये शरीर को तुरंत ऊर्जा देने का काम करता है, जिससे कमजोरी में काफी राहत मिलती है।

खांसी से राहत के लिए सुरक्षित आयुर्वेदिक समाधानों की ओर बढ़ता रुझान : वैद्य सुजाता चौधरी

बदलती जीवनशैली, बढ़ते प्रदूषण स्तर और लगातार बदलते मौसम के कारण खांसी आज भारतीय परिवारों में सबसे आम स्वास्थ्य समस्याओं में से एक बन गई है। यद्यपि अधिकांश हल्की से मध्यम खांसी का प्रबंधन ओवर-द-काउंटर (OTC) दवाओं से किया जा सकता है, लेकिन आज उपभोक्ता उन उत्पादों के प्रति कहीं अधिक जागरूक और सजग हो गए हैं, जिनका वे अपने स्वास्थ्य के लिए चयन करते हैं।

वे ऐसी खांसी से राहत देने वाली दवाओं को प्राथमिकता दे रहे हैं जो न केवल प्रभावी हों, बल्कि सुरक्षित, विश्वसनीय और समय-परीक्षित भी हों।

हाल के समय में ऐसी रिपोर्टों के सामने आने के बाद उपभोक्ताओं में जागरूकता और सतर्कता काफी बढ़ी है, जिनमें कुछ खांसी के सिरप में डायएथिलीन ग्लाइकोल (DEG) और एथिलीन ग्लाइकोल (EG) जैसे विषैले औद्योगिक रसायनों की मौजूदगी पाई गई थी। उपभोक्ता सुरक्षा पर बढ़ते इस नए फोकस को ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार ने सिरप निर्माण और गुणवत्ता नियंत्रण पर नियामकीय निगरानी को और सुदृढ़ बनाने के लिए औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियमों (Drugs & Cosmetics Rules) में महत्वपूर्ण संशोधन किए हैं। सुरक्षा और गुणवत्ता पर बढ़ते इस जोर के कारण अधिक से अधिक उपभोक्ता आयुर्वेदिक खांसी उपचारों को अपनाने लगे हैं। जहां पारंपरिक खांसी के सिरप औषधीय सक्रिय तत्वों (Pharmaceutical Active Ingredients) से तैयार किए जाते हैं, वहीं आयुर्वेदिक कफ सिरप तुलसी, मुलेठी, सोंठ और बनफशा जैसी समय-परीक्षित औषधीय जड़ी-बूटियों से निर्मित होते हैं। इन प्राकृतिक अवयवों का उपयोग आयुर्वेद में पीढ़ियों से गले को आराम पहुंचाने, श्वसन तंत्र के स्वास्थ्य को समर्थन देने और खांसी से राहत प्रदान करने के लिए किया जाता रहा है। इन परिचित और प्राकृतिक हर्बल घटकों पर उपभोक्ताओं का भरोसा लगातार बढ़ रहा है, विशेष रूप से तब, जब इनके लाभों की पुष्टि आधुनिक वैज्ञानिक अध्ययनों द्वारा भी की जा रही है। यही कारण है कि आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन आज सुरक्षित, विश्वसनीय और प्रभावी खांसी राहत के विकल्प के रूप में अधिक लोकप्रिय होते जा रहे हैं। जैसे-जैसे उपभोक्ताओं की अपेक्षाएं बदल रही हैं, वैसे-वैसे विश्वास, सुरक्षा और प्रभावशीलता ऐसे प्रमुख कारक बन गए हैं जो लोगों को उन आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशनों की ओर आकर्षित कर रहे हैं, जिनमें पारंपरिक औषधीय जड़ी-बूटियों के गुणों के साथ आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान का भरोसा भी सम्मिलित हो।

उपभोक्ताओं को चाहिए कि वे दवाइयाँ हमेशा विश्वसनीय और अधिकृत विक्रेताओं से ही खरीदें तथा उनका उपयोग पैकेज पर दिए गए निर्देशों के अनुसार करें। बेहतर परिणामों और सुरक्षित उपयोग के लिए दवाओं का सेवन पंजीकृत चिकित्सा विशेषज्ञ की सलाह के अनुसार करना उचित है।

विश्व जनसंख्या दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

छात्र-छात्राओं ने दिया जनसंख्या स्थिरीकरण का संदेश

भिलाई-3। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई-3 के अंतर्गत कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय में जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बढ़ती जनसंख्या से उत्पन्न चुनौतियों के प्रति विद्यार्थियों एवं आमजन को जागरूक करना तथा परिवार नियोजन के विभिन्न साधनों की जानकारी देना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि सतीश साहू थे, जबकि अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्य निशा जैन ने की। विशेष अतिथि के रूप में वार्ड पार्षद फिरोज फारूखी, प्रेमलता चंद्राकर, चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रितिका साहू, गीता वर्मा तथा बीईटीओ सैय्यद असलम उपस्थित रहे। इस अवसर पर कक्षा 9वीं एवं 11वीं के छात्र-छात्राओं के बीच निबंध लेखन, पोस्टर प्रतियोगिता तथा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने बढ़ती जनसंख्या के कारण रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास एवं संसाधनों पर बढ़ते दबाव जैसे विषयों पर अपने विचार रखे। पोस्टर प्रतियोगिता के माध्यम से परिवार नियोजन के स्थायी एवं अस्थायी साधनों की जानकारी दी गई तथा जनसंख्या नियंत्रण के महत्व को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीईटीओ सैय्यद असलम ने बताया कि 11 जुलाई से 18 जुलाई तक जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस दौरान पुरुष नसबंदी एवं महिला नसबंदी की निःशुल्क सुविधा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाटन, झीठ, जिला अस्पताल दुर्ग, लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल सुपेला सहित जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध रहेगी। मुख्य अतिथि सतीश साहू ने कहा कि तेजी से बढ़ती जनसंख्या के कारण बेरोजगारी, संसाधनों की कमी तथा आधारभूत सुविधाओं के विस्तार में कठिनाइयां उत्पन्न हो रही हैं। उन्होंने कहा कि छोटा परिवार, सुखी परिवार की अवधारणा आज भी उतनी ही प्रासंगिक है, क्योंकि इससे शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार के बेहतर अवसर सुनिश्चित किए जा सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान निबंध लेखन, पोस्टर प्रतियोगिता एवं वाद-विवाद संगोष्ठी में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं तथा स्वास्थ्य कर्मियों को पुरस्कृत किया गया। अन्य प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम के समापन पर स्वास्थ्य विभाग एवं विद्यालय परिवार द्वारा जनजागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें जनसंख्या नियंत्रण, परिवार नियोजन एवं स्वास्थ्य संबंधी संदेशों का प्रसार किया गया। इस अवसर पर आर. विश्वास, रूपाली, शमीम बानो, देवेंद्र राजपूत, राहुल यादव, निवेश प्रधान, हिमांशु सूर्यवंशी, दुर्गा कंवर, नारायण साहू सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षक एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

डॉ. खूबचंद बघेल, कृषक रत्न पुरस्कार हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृषकों का प्रोत्साहित करने एवं सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष डॉ. खूबचंद बघेल, कृषक रत्न पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इस वर्ष 2026 का पुरस्कार वितरण राज्य स्थापना दिवस, 01 नवम्बर 2026 को आयोजित होने वाले मुख्य समारोह में किया जाएगा। इस संबंध में कृषकों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जिसकी अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। संयुक्त संचालक कृषि से प्राप्त जानकारी अनुसार इच्छुक कृषक जो खेती में नवाचार, जैविक कृषि, उत्पादन में वृद्धि, कृषि यांत्रिकीकरण या जल संरक्षण जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं, वे इस पुरस्कार के लिए आवेदन कर सकते हैं। समस्त पात्र कृषक वे निर्धारित तिथि तक आवश्यक दस्तावेजों सहित आवेदन जिला कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। आवेदन की प्रक्रिया, आवश्यक अर्हताएं एवं अन्य जानकारी संबंधित विकासखंड / जिला कृषि कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। कृषकों से प्राप्त आवेदनों का सत्यापन संयुक्त संचालक कृषि द्वारा गठित विकासखंड स्तरीय छानबीन समिति द्वारा किया जाएगा। विकासखंड स्तरीय समिति कृषकों के प्रक्षेत्रों में जाकर आवेदन में उल्लेखित अधोसंरचना, कृषि आदान, सिंचाई संसाधन व अन्य जानकारी का प्रत्यक्ष निरीक्षण व अवलोकन सत्यापन उपरांत प्रतिवेदन जिला स्तरीय समिति को प्रस्तुत करेगी। जिला स्तरीय समिति द्वारा सूक्ष्म जांच उपरांत जिला से अधिकतम 03 उत्कृष्ट कृषकों का चयन कर जिला कलेक्टर के माध्यम से नामांकन संचालनालय कृषि को उपलब्ध कराया जाएगा।

कचहरी वार्ड में 24.98 लाख के आरसीसी नाली एवं पुलिया निर्माण कार्य का हुआ भूमिपूजन

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 39 कचहरी वार्ड में नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज आरसीसी नाली एवं पुलिया निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया गया। उक्त विकास कार्य की लागत राशि 24.98 लाख रुपये है।

भूमिपूजन कार्यक्रम के अंतर्गत बुद्धेश्वर मंदिर से देवांगन दुकान तक, अमन खोटे के घर से लोकनाथ साहू के घर तक तथा रामाधार निर्मलकर के घर से अश्वनी चौधरी के घर तक आरसीसी नाली एवं पुलिया निर्माण कार्य कराया जाएगा। निर्माण कार्य पूर्ण होने से क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था बेहतर होगी तथा बारिश के दौरान होने वाली जलभराव की समस्या से नागरिकों को राहत मिलेगी। इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर एवं एमआईसी सदस्य शेखर चन्द्राकर, शिव नायक,ज्ञानेश्वर ताम्रकर, मनीष साहू, काशीराम कोसरे, शशि साहू, रंजीता पाटिल, सविता साहू, जितेंद्र ताम्रकर, सहायक अभियंता सुरेश केवलानी, उपअभियंता मोहित मरकाम सहित बड़ी संख्या में वार्ड नागरिक की उपस्थित में भूमिपूजन कर कहा कि नगर निगम द्वारा शहर के प्रत्येक वार्ड में आवश्यकतानुसार विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा है। नाली, सड़क, पुलिया एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कर नागरिकों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना निगम की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि वार्डवासियों की मांग और आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए लगातार विकास कार्यों को गति दी जा रही है। महापौर ने कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। निर्माण कार्य समय-सीमा में पूर्ण हो और इसका लाभ आम नागरिकों को मिले, इसके लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। वार्ड पार्षद गुलाब वर्मा ने महापौर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वार्ड क्रमांक 39 के नागरिकों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने के लिए नगर निगम द्वारा यह महत्वपूर्ण कार्य स्वीकृत किया गया है। उन्होंने कहा कि महापौर के नेतृत्व में शहर के सभी वार्डों में विकास कार्य लगातार हो रहे हैं, जिससे नागरिकों को सुविधाएं मिल रही हैं।

20 करोड़ के कार्यों का भूमिपूजन-लोकार्पण, रमन सिंह बोले नोट कर लें...रोड अगर बही तो तुम भी बह जाओगे

नई कृषि उपज मंडी में हुआ कार्यक्रम, विस अध्यक्ष और कृषि मंत्री की मौजूदगी में हुआ कार्यक्रम

राजनांदगांव। बसंतपुर स्थित नई कृषि उपज मंडी में रविवार को कार्यक्रम आयोजित कर 20 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया गया। इस दौरान विस अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और कृषि मंत्री रामविचार नेताम उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. सिंह ने कहा गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जाएगा, मेरी बात नोट कर ले। यदि बनाई गई सीमेंट-कांक्रीट रोड बह गई तो अगली बात तुम भी पंचायत से बह जाओगे। इसी तरह पंचायतों और जनपदों में भवन और स्कूल का निर्माण होता है, उसमें क्रेक आया तो जांच होगी और सख्ती होगी। मैं इस तरह बोलता हूं तो कई लोगों को बुरा लगता है, मैं इससे ज्यादा बोलना नहीं चाहता। इस तरह विस अध्यक्ष डॉ. सिंह ने निर्माण कार्यों में क्वालिटी रखने की बात कह दी। कार्यक्रम में आदर्श कृषि उपज मंडी समिति राजनांदगांव की मंडी निधि से 2 करोड़ 39 लाख 17 हजार रूपए के विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया। वहीं राजनांदगांव विकासखंड की ग्राम पंचायतों में विभिन्न मदों से स्वीकृत 16 करोड़ 32 लाख 98 हजार रूपए की लागत के 181 विकास कार्यों का भूमिपूजन तथा 9 ग्राम पंचायतों में 1 करोड़ 29 लाख 52 हजार रूपए की लागत से निर्मित 18 विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया।

मूलभूत सुविधाओं का विस्तार हो, ग्रामीणों को इसका लाभ मिले

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि मंडी निधि का उपयोग ग्रामीण अधोसंरचना के विकास में अधिक से अधिक किया जाना चाहिए, ताकि गांवों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार हो और ग्रामीणों को इसका सीधा लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि आदर्श कृषि उपज मंडी राजनांदगांव प्रदेश की प्रमुख मंडियों में से एक है, जहां किसानों और व्यापारियों की सुविधा के लिए आधुनिक व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं। यहां मॉल, सिलेम, विश्राम गृह, बैंक, पोस्ट ऑफिस, धर्मकांटा, अनाज एवं सब्जी मंडी जैसी अनेक सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध है।

कृषि आधारित गतिविधियों को भी अपनाना चाहिए: नेताम

मंत्री नेताम ने कहा कि किसानों को खेती के साथ पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन, बकरी पालन, मुर्गी पालन एवं उद्यानिकी जैसी कृषि आधारित गतिविधियों को भी अपनाना चाहिए, जिससे उनकी आय के अतिरिक्त स्रोत विकसित हों। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं मत्स्य पालन विभाग की योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कर किसानों को लाभान्वित किया जाए। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्रों को कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों के उत्कृष्ट मॉडल के रूप में विकसित करने कहा।

किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है: सांसद पांडेय

सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए लगातार लोकार्पण, भूमि पूजन व शिलान्यास कार्य मों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा विकसित भारत-जीरामजी (वीबी-जीरामजी) योजना के तहत ग्रामीण श्रमिकों को 125 दिनों का काम मिलेगा और ग्रामीण श्रमिकों को 300 रूपए की दर से भुगतान किया जाएगा। उन्होंने किसानों को ग्रीष्म काल में धान की खेती नहीं करने कहा। उन्होंने जल संरक्षण को बढ़ावा देने कहा। उन्होंने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। उन्होंने किसानों से देश के राजस्व को अन्य देशों में जाने से रोकने तथा देश को कृषि उत्पादन क्षेत्र में स्वावलंबी बनाने के लिए धान के साथ दलहन, तिलहन सहित अन्य फसल लेने कहा।

ग्राम औंरी में अमृत सरोवर का लोकार्पण, सांसद विजय बघेल ने कहा -जल संरक्षण से समृद्ध होगा गांव और भविष्य

पाटन। दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल के अथक सहयोग एवं सतत प्रयासों से ग्राम औंरी (पाटन) में लगभग साढ़े तीन एकड़ क्षेत्रफल में निर्मित अमृत सरोवर का भव्य लोकार्पण समारोह संपन्न हुआ। लगभग 3 करोड़ लीटर जल संग्रहण क्षमता वाला यह अमृत सरोवर जल संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और आज ग्राम औंरी की नई पहचान बन चुका है। सरोवर की भव्य संरचना तथा तट पर स्थित दक्षिणमुखी श्री हनुमान मंदिर आस्था, संस्कृति और आधुनिक विकास का अद्भुत संगम प्रस्तुत करते हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल थे। इस अवसर पर संजय बघेल, कीर्ति नायक, कमलेश वर्मा, नीलम चंद्राकर, कस्तूरी बंजारे, पवन शर्मा, तृप्ति चंद्राकर, भागचंद जैन, राजा पाठक, राजेश चंद्राकर, कमलेश चंद्राकर, दीपक चंद्राकर, संदीप चंद्राकर तथा ग्राम सरपंच कलेन्द्री मानिकपुरी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। लोकार्पण के उपरांत वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ वरुण पूजा महायज्ञ संपन्न हुआ। सांसद विजय बघेल अपनी धर्मपत्नी रजनी बघेल, पुत्र सौरभ बघेल, पुत्रवधू पल्लवी बघेल, पुत्री प्रतीक्षा बघेल एवं दामाद अनंत उपाध्याय के साथ यज्ञ में शामिल हुए तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि, उत्तम वर्षा और जनकल्याण की कामना की। अपने उद्बोधन में सांसद विजय बघेल ने कहा कि ग्रामवासियों की वर्षों पुरानी मांग आज पूरी हुई है। उन्होंने कहा कि आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमृत सरोवर योजना की शुरुआत की थी, जिसका उद्देश्य जल संरक्षण के साथ गांवों को जल-संपन्न बनाना है। उन्होंने कहा कि हम सभी एक ऐतिहासिक क्षण के साथी हैं। पहले गांवों के तालाब ही पेयजल और जीवन का प्रमुख आधार होते थे। समय के साथ परिस्थितियां बदलीं, लेकिन जल संरक्षण का महत्व कभी कम नहीं हुआ। यह अमृत सरोवर आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा का आधार बनेगा। सांसद विजय बघेल ने बताया कि ग्रामवासियों के सहयोग, जनप्रतिनिधियों की सहभागिता, संचेती फाउंडेशन (सेवा, समर्पण, सत्कर्म) एवं SMS Limited के सहयोग से यह कार्य मात्र एक माह के रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया। उन्होंने कहा कि यदि यही कार्य पूरी तरह शासकीय प्रक्रिया से कराया जाता तो इसकी लागत एक करोड़ रुपये से अधिक आती। उन्होंने बताया कि भारतमाला परियोजना से जुड़े अधिकारियों एवं संस्थाओं को अपने निवास पर आमंत्रित कर इस कार्य की रूपरेखा बनाई गई।

कोरकोट्टी के शहीदों को किया याद, आंखें हुई नम, शहीदों के परिजनों की समस्याएं भी सुनी

12 जुलाई साल 2009 अविभाजित राजनांदगांव जिले की सबसे बड़ी घटना को 17 साल पुरे

श्रद्धांजलि समारोह में जनप्रतिनिधि, नेता, अधिकारी और आमजन रहे उपस्थित

राजनांदगांव। हाइवे स्थित पुलिस लाइन में 12 जुलाई को कार्यकम आयोजित कर, ठीक 17 साल पहले मानपुर के कोरकोट्टी में शहीद एसपी विनोद चौबे सहित 29 जवानों की शहादत को याद किया गया। साथ ही उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। नक्सलियों से साहस एवं वीरता के साथ मुकाबला करते हुए छत्तीसगढ़ की माटी की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले जवानों की यादों को ताजा किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में शहीद स्वर्गीय चौबे की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। तत्पश्चात रक्षित केन्द्र राजनांदगांव स्थित शहीद स्मारक एवं मंगल भवन में सभी वीर शहीदों के छायाचित्रों पर पुष्प अर्पित कर दो मिनट का मौन रखा गया तथा उनके अद्वितीय साहस, कर्तव्यनिष्ठा एवं राष्ट्रसेवा को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक राजनंदगांव अंकिता शर्मा व उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने शहीद परिवारों का शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मान किया। उन्होंने प्रत्येक परिवार से संवाद करते हुए उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता से सुना तथा उनके त्वरित एवं प्राथमिकता के आधार पर निराकरण का आश्वासन दिया।

हेल्थ चेकअप और ब्लड डोनेट किया गया

शहीदों की स्मृति में आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर एवं स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान 21 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा के माध्यम से वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि समारोह में उपस्थित सांसद राजनांदगांव संतोष पांडे, पूर्व सांसद अभिषेक सिंह, महापौर मधुसूदन यादव, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल नीलू शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत, पूर्णिमा साहू, सचिन बघेल एवं छाबड़ा नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने भी वीर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

शहीद जवानों के परिजनों के साथ खड़े रहने की कही बात

इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने शहीद परिवारों से आत्मीय मुलाकात कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुना तथा उन्हें विश्वास दिलाया कि शहीदों के परिवारों का सम्मान, सुरक्षा एवं कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने आश्वस्त किया कि परिवारों से जुड़े आवश्यक कार्यों के निराकरण हेतु हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा तथा वे सदैव उनके साथ मजबूती से खड़े रहेंगे। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि वीर शहीदों का त्याग और बलिदान राष्ट्र के लिए अमूल्य है तथा उनका ऋण कभी चुकाया नहीं जा सकता।

भाजपा महिला मोर्चा खुर्सीपार मंडल की नई कार्यकारिणी घोषित, संगठन विस्तार को मिलेगी नई रफ्तार

भिलाई। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा खुर्सीपार मंडल की नई कार्यकारिणी एवं कार्यसमिति की घोषणा कर दी गई है। मंडल अध्यक्ष उमा महेश्वरी एवं महामंत्री मेघा कौर द्वारा जारी सूची में संगठन के प्रति समर्पित एवं सक्रिय महिला कार्यकर्ताओं को विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे गए हैं। नई कार्यकारिणी में खुर्सीपार, छावनी, शिवाजी नगर, न्यू खुर्सीपार, चंद्रशेखर आजाद नगर, गौतम नगर सहित विभिन्न वार्डों और क्षेत्रों की महिलाओं को प्रतिनिधित्व दिया गया है। यह कार्यकारिणी भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, प्रदेश महामंत्री (संगठन) पवन साय, भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी, भाजपा जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष स्वीटी कौशिक तथा खुर्सीपार मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में गठित की गई है। मंडल अध्यक्ष उमा महेश्वरी ने कहा कि नई टीम में उन महिला कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई है जिन्होंने संगठन के लिए निरंतर समर्पण और सक्रियता के साथ कार्य किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी नवनियुक्त पदाधिकारी संगठन की रीति-नीति, केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा महिला सशक्तिकरण के संदेश को घर-घर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन हित में पूरी निष्ठा और सक्रियता से कार्य करने का आह्वान किया। महामंत्री मेघा कौर ने कहा कि महिला मोर्चा भाजपा संगठन की मजबूत आधारशिला है। नई कार्यकारिणी में अनुभव और युवा ऊर्जा का संतुलित समावेश किया गया है, जिससे बूथ स्तर तक संगठन को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता जनसंपर्क अभियान, सदस्यता अभियान और महिला सशक्तिकरण से जुड़े कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाएंगी तथा पार्टी की नीतियों और सरकार की जनहितकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने का कार्य पूरी प्रतिबद्धता के साथ करेगी।

श्री राजपूत करणी सेना ने की ईडब्ल्यूएस का 10 प्रतिशत आरक्षण छग में देने की मांग

आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को आरक्षण में 10% का लाभ जरूरी, राजस्थान में लागू

राजनांदगांव। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) को संविधान के तहत मिले 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रभावी लाभ छत्तीसगढ़ में सुनिश्चित करने की मांग तेज हो गई है।

राजपूत करणी सेना (कालवी विचारधारा) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजय बहादुर सिंह के नेतृत्व में संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। इसमें राज्य में ईडब्ल्यूएस आरक्षण के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ निगरानी व्यवस्था मजबूत करने की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि संविधान के 103वें संशोधन के तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को 10 प्रतिशत आरक्षण का अधिकार मिला है, लेकिन छत्तीसगढ़ में इसका लाभ सभी पात्र लोगों तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुंच पा रहा है। राजस्थान सहित कई राज्यों में इस दिशा में बेहतर व्यवस्था लागू की गई है, इसलिए छत्तीसगढ़ में भी इसे पूरी गंभीरता से लागू किया जाना चाहिए। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजय बहादुर सिंह ने कहा कि यह किसी वर्ग विशेष की नहीं, बल्कि संविधान प्रदत्त अधिकारों को हर पात्र नागरिक तक पहुंचाने की मांग है। ज्ञापन में राज्य सरकार से जल्द आवश्यक निर्णय लेने का आग्रह किया गया है।

समाज ने रखी चार प्रमुख मांगें

राज्य में ईडब्ल्यूएस के 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रभावी और पूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। ईडब्ल्यूएस आरक्षण के पालन की निगरानी के लिए राज्यस्तरीय मॉनिटरिंग बोर्ड का गठन किया जाए। ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए एक स्पष्ट, पारदर्शी और प्रभावी कार्यप्रणाली (एसओपी/दिशा-निर्देश) तैयार कर सभी विभागों में लागू की जाए। राजस्थान मॉडल के अनुरूप राज्य में लागू हो ईडब्ल्यूएस के सभी प्रावधान समयबद्ध तरीके से ईडब्ल्यूएस की कार्ययोजना और बजटीय प्रावधान हो। ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रदेश सह सचिव गोल्डी भदोरिया, जिलाध्यक्ष अमन बहादुर सिंह, संजय सिंह राजपूत, अजय कुशवाह,कपिल चौहान, अभिनव सिंह, चंदन सिंह, संतोष ठाकुर सहित महिला विंग की महिलाएं उपस्थित रहीं

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com